▪ आश्विन शुक्ल - 13 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 93 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 27-10-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 उत्साह और उमंग की परंपरा के वाहक हैं भारत के त्योहार : योगी

6 क्या भारत में भी गाजा पट्टी जैसे हालात बनाने की कोशिश ?

7 एससीओ देश एक-दूसरे की संप्रभुता का समान करें : जयशंकर

फर्स्ट टेक

हरियाणा के परिवहन मंत्री का फेसबुक अकाउंट हैक

फरीदाबाद/भाषा। हरियाणा के परिवहन मंत्री पं. मूलचंद शर्मा का 'फेसबुक' अकाउंट हैकरों ने हैक कर लिया है। मंत्री ने स्वयं बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। शर्मा ने बताया साइबर थाना पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है और पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि उनकी फेसबुक आईडी हैक हो गई है, इसलिए कोई भी व्यक्ति इस आईडी द्वारा भेजी जा रही सामग्री पर संज्ञान न ले और न ही अपनी जानकारी साझा करे।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दागी – राग

वो भी दागी ये भी दागी,
दागी–दागी सब भ्राता।
वे चौरासी ये अड़तालिस,
उलट–पुलट सबका खाता।
मत के चक्कर में मत खोलो,
दागों का नंगा छाता।
आपस में कर लो ठगबंधन,
जुड़ा रहे सत्ता नाता।।

इजराइली सेना ने गाजा में कुछ देर तक जमीनी हमला किया

रफह (गाजा पट्टी)/एपी। इजराइली सैनिकों और टैंकों ने बृहस्पतिवार को उत्तरी गाजा में कुछ देर तक जमीनी हमला किया। सेना ने बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय के हवाई हमलों के बाद संभावित जमीनी आक्रमण के मद्देनजर ''युद्धक्षेत्र तैयार'' करने के लिए कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह हमला ऐसे वक्त किया गया जब संयुक्त राष्ट्र ने आगाह किया है कि गाजा पट्टी में ईंधन खत्म होने के कगार पर है जिससे उसे क्षेत्र में राहत प्रयास रोकने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी इजराइल में हमास के हमले के बाद गाजा में भीषण घेराबंदी की गई है जहां भोजन, पानी तथा दवाएं खत्म हो रही हैं। दशकों से चले आ रहे इजराइल–फलस्तीन संघर्ष में गाजा में मरने वालों की बढ़ती संख्या अभूतपूर्व है।

उत्तरी गाजा में फलस्तीनी नागरिक हमले के डर के बावजूद अन्यत्र नहीं जा रहे

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास के खिलाफ हमले और तेज करने की इजराइल की चेतावनी के बावजूद उत्तरी गाजा में रह रहे फलस्तीनी नागरिक अन्यत्र चले जाने के आदेश को नहीं मान रहे हैं। इजराइल के अनुमान के अनुसार, लगभग 3,50,000 फलस्तीनी अभी भी उत्तरी गाजा में हैं। फलस्तीनी सहायता कर्मी महमूद शलाबी, उन हजारों लोगों में से हैं जो गाजा पर इजराइली हमलों के बाद अब तक अपने आप को बचाने में कामयाब हुये हैं और उत्तरी गाजा में ही रह रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शरद पवार पर तंज, कहा:

कुछ लोगों ने किसानों के नाम पर सिर्फ राजनीति की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र के कुछ लोगों ने किसानों के नाम पर केवल राजनीति की जिन्हें पहले अपनी उपज की बिक्री से पैसा पाने के लिए बिचौलियों पर निर्भर रहना पड़ता था। पवार संप्रग सरकार में कृषि मंत्री थे।

मोदी ने कहा कि सामाजिक न्याय का असली अर्थ गरीबी से मुक्ति और जब देश के गरीबों को जीवन में आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं।

प्रधानमंत्री पश्चिमी महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के शिरडी में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और राज्य के किसानों के लिये वित्तीय सहायता योजना की शुरुआत करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सच्चे इरादों के साथ किसानों को सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है। मोदी ने पवार का नाम लिए बिना कहा, किसानों के नाम पर वोट की राजनीति करने वालों ने आपको पानी की एक–एक बूंद के लिए तरसा दिया। महाराष्ट्र में कुछ लोगों ने किसानों के नाम पर सिर्फ राजनीति की। महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ नेता ने देश के कृषि मंत्री के रूप में कार्य किया। मैं व्यक्तिगत रूप से उनका सम्मान करता हूं, लेकिन उन्होंने किसानों के लिए क्या किया है?

राकांपा संस्थापक ने केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार (2004–14) के दौरान कृषि मंत्री के रूप में कार्य किया।

चिक्कबल्लापुर में सड़क दुर्घटना, 13 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबल्लापुर। बेंगलूरु के पास चिक्कबल्लापुर के बाहरी इलाके में बेंगलूरु–हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग–44 पर गुरुवार को एक एसयूवी खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि वह मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी मृत व्यक्तियों के परिवारों के लिए 2–2 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। चिक्काबल्लापुरा विधायक प्रदीप ईश्वर और जिला आयुक्त ने शवगृह का दौरा किया और मौतों पर शोक जताया। सुबह की धुंध ने ड्राइवर के विजन को अवरुद्ध कर दिया था, जिस कारण यह हादसा हुआ। चिक्कबल्लापुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डी.एल. नागेश ने कहा कि एसयूवी पीछे से एक ट्रक से टकरा गई, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, सात अन्य ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया और एक की अस्पताल में मौत हो गई।

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, पांच आतंकवादी ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना के जवानों ने बृहस्पतिवार को घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम करते हुए पांच अज्ञात आतंकियों को मार गिराया।

कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) विजय कुमार ने कहा कि कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर में अबतक पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कुपवाड़ा मुठभेड़ अपडेट: लश्कर –ए–तैयबा के तीन और आतंकवादी मारे गए हैं। कुल संख्या पांच हो गई है। उनकी पहचान की जा रही है। खोज अभियान जारी है।

हेब्बाल में आज से शुरू होगा 'फोनिक्स मॉल ऑफ एशिया'

खरीददारी, मनोरंजन, आपसी मेलमिलाप व खानपान का केन्द्र बनेगा यह मॉल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हेब्बाल में शुक्रवार से 'फोनिक्स मॉल ऑफ एशिया' का शुभारंभ होगा। इस पांच तले के विशालकाय मॉल में प्रत्येक फ्लोर की सरंचना अपने आप में अलग है। हर फ्लोर की सजावट अलग तरीके से की गई है जिससे हर एक फ्लोर अपने आप में एक नए मॉल सा प्रतीत होता है। मॉल के प्रमुख गजेन्द्रसिंह ने बताया कि बेंगलूरु एयरपोर्ट रोड के हेब्बाल मैन रोड पर 12 लाख वर्गफीट के भूखंड पर यह मॉल का निर्माण दि फोनिक्स मिल्स लिमिटेड व कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेन्ट बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। इस मॉल में विश्व भर के करीब 440 ब्रॉड जिसमें 160 अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड शामिल है के स्टोर है। गजेन्द्रसिंह ने बताया कि यह मॉल अपने आप में खरीददारी, मौज मस्ती, मनोरंजन, आपसी मेलमिलाप, खानपान का एक नया केन्द्र बनेगा जहां परिवार के हर व्यक्ति के लिए कुछ न कुछ अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में फोनिक्स कम्पनी का यह दूसरा मॉल है और यह नया मॉल बेंगलूरु वासियों को एक नया और अनोखा खरीददारी व फील ग्रेट का अनुभव देगा।

उन्होंने बताया कि एशिया के अधिकतर ब्रांडों के स्टोर इस मॉल में है इसलिए इस मॉल को मॉल ऑफ एशिया का नाम दिया है। अब बेंगलूरुवासियों को खरीददारी के लिए शहर से बाहर नहीं जाना होगा। इस मॉल के संचालन से लगभग 5 हजार से अधिक के लोगों को रोजगार मिलेगा।

गजेन्द्रसिंह ने बताया कि मॉल के एक फ्लोर को 'हाई एंड लग्जरी ब्रांडों' के लिए आरक्षित किया गया है जिसमें विश्व के सबसे लग्जरी उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी शुरुआत आने वाले माह में होगी। उन्होंने बताया कि इस मॉल में करीब 2.5 लाख वर्गफीट में 14 स्क्रीन वाली आइनॉक्स-पीवीआर स्क्रीन की व्यवस्था की गई है ताकि आने वालों के लिए मनोरंजन की कोई कमी न हो।

उन्होंने बताया कि मॉल में दो बेसमेन्टों में करीब 3100 कारों के पार्क होने की सुविधा है ताकि ग्राहकों को पार्किंग की असुविधा न हो। मॉल में लक्स आट्रिया व इडन आर्काडिया नाम से बड़े बड़े चार मंजिला डीजिटल स्क्रीन लगाए गए है जिसमें प्रकृति का परिदृश्य प्रस्तुत किए जाएंगे। मॉल का बाहरी व आंतरिक लुक अपने आप में अलग है। इस मौके पर फैशन गुरु प्रसाद बिदप्पा भी उपस्थित थे।

संसार छोड़ने के लिए और संयम पालन के लिए है : साध्वी सुलोचनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी ने नवपद ओली के 7वें दिन कहा कि परमात्मा ने जो कहा है वही सच्चा और निःशंक ज्ञान है। संसार में जो भी दुःख है, वो सब हमारे अज्ञान के कारण है। ज्ञान के अभाव में हम देव, गुरु और धर्म की पहचान नहीं कर पा रहे है। उसी कारण हमारा चार गति में भटकना जारी है। ज्ञान के अभाव में जो ग्रहण करना चाहिए उसे हम छोड़ देते है, तुच्छ चीजों को पकड़ के रखते है, सही और गलत का निर्णय भी हम अज्ञान के कारण नहीं कर पा रहे है। संसार छोड़ने के लिए है, संयम पालन के लिए है। फिर भी हम संसार को ही अपना मान कर जी रहे है। स्वयं का ज्ञान होगा तभी आत्मा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। परमात्मा ने जो कहा है, गणधर भगवन्तो ने रचना की है वही सच्चा और निःशंक ज्ञान है। ज्ञान से हमें विवेक, विनय, जयणा, करुणा, अहिंसा आदि का बोध हो सकता है। सद्ज्ञान के बिना जीव अपूर्ण है। हमें आज सद्ज्ञान की आराधना करनी है, जिससें हम सत्य-असत्य, भक्ष्य-अभक्ष्य, पुण्य-पाप आदि का सही ज्ञान प्राप्त कर सकें। दर्शन ज्ञान आदि गुण है तो पंच परमेष्ठी गुण वाले है।

दर्शन ज्ञान आदि की पूजा सेवा हम बाह्य किसी भी वस्तु से नहीं कर पाते हैं्। उनकी आराधना के लिए हमें अपने हृदय का समर्पण करना चाहिए। शास्त्रों में दर्शन ज्ञान आदि को रत्न दीपक की उपमा दी गयी है। कोई भी दीपक जलाना हो तो हमें बाती, घी और दीपक का स्टेण्ड चाहिए्। मगर रत्न दीपक को जलाने के लिए कोई भी वस्तु नहीं चाहिए्। वो दीपक खुद ही प्रकाशमय है। जब ऐसा रत्न दीपक हमारे हृदय में आ जाये तब समझना कि मेरे हृदय में परमात्मा की प्रतिष्ठा ही चुकी है।

कुमारस्वामी ने रामनगर जिले का नाम बदलने पर आमरण अनशन की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल एस (जदएस) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष एच डी कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को धमकी दी कि यदि रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु साउथ' करने के प्रस्ताव पर राज्य सरकार आगे बढ़ने का फैसला करती है तो वह आमरण अनशन करेंगे। उन्होंने दावा किया कि इस जिले से उनका भावनात्मक संबंध है।

पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने किसी समाचार चैनल पर या कर्नाटक विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में खुली बहस की उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की चुनौती भी स्वीकार कर ली है जो रामनगर जिले तथा 2019 में कांग्रेस-जदएस गठबंधन सरकार के गिर जाने पर केंद्रित होगी । कुमारस्वामी रामनगर जिले का नाम 'बेंगलूरु साउथ' करने के प्रस्ताव के संबंध में बुधवार को शिवकुमार द्वारा दिये गये बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। शिवकुमार को 'ब्रांड बेंगलूरु' का नजदीक के छोटे शहरों पर सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। कुमारस्वामी ने कहा, ''मैं उसे चुनौती के रूप में लूंगा। मेरा रामनगर के साथ भावनात्मक संबंध है, मेरा इस जिले के साथ कोई कारोबारी संबंध नहीं है। यदि रामनगर जिले का नाम बदला जाता है तो खराब स्वास्थ्य के बावजूद मैं अपनी जान का जोखिम लेने को तैयार हूं और आमरण अनशन पर बैठूंगा।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मेरा इस जिले को लेकर एक सपना है, इसलिए मेरी एक चुनौती उस सपने को साकार करने की भी है..। आखिरी क्षण तक मैं उस जिले के अभिमान की रक्षा के लिए लड़ूंगा।''

उन्होंने रामनगर जिले के विकास में अपने योगदान की भी चर्चा की तथा शिवकुमार के योगदान पर सवाल उठाया। शिवकुमार के अनुसार, प्रस्तावित बेंगलूरु साउथ जिले में चन्नापाटना, रामनगर, कनकपुरा, मागडी, हारोहल्ली तालुक होंगे तथा रामनगर तालुक जिला मुख्यालय होगा।

बघेल ने राज्य में धर्म परिवर्तन का बाजार खोल दिया : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महासमुंद (छत्तीसगढ़)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को छत्तीसगढ़ के अपने समकक्ष भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने सनातन धर्म को कमजोर करने के लिए राज्य में धर्म परिवर्तन का बाजार खोल दिया है।

राज्य के महासमुंद शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने लोगों से छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को चुनने का आग्रह किया ताकि डबल इंजन सरकार राज्य के विकास के लिए काम कर सके। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि वह कभी भी अयोध्या में राम मंदिर नहीं जाते। यह रैली महासमुंद जिले के चार निर्वाचन क्षेत्रों- महासमुंद, खल्लारी, बसना और सरायपाली से भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने से पहले आयोजित की गई थी। शर्मा ने कहा हमें एक बार सोचना होगा कि आखिर भूपेश बघेल सरकार ने राज्य को किस स्थिति में धकेल दिया है। राज्य में धर्म परिवर्तन हो रहा है। राज्य के हर हिस्से में आदिवासियों का धर्मांतरण कराने की साजिश चल रही है। सनातन पर हमला किया जा रहा है।'' असम के मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें सोचना चाहिए कि कांग्रेस ने पांच साल में क्या दिया। क्या उन्होंने (बघेल) पांच साल में कोई विश्वविद्यालय खोला? असम में हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई है। राज्य में (छत्तीसगढ़ में) कोई बुनियादी परिवर्तन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'बघेल हर बार नाटक करते हैं और उन्होंने सनातन धर्म को कमजोर करने के लिए धर्म परिवर्तन का एक बड़ा बाजार खोला है।'

तेलंगाना में 'गिरोह' की तरह काम कर रहे हैं भाजपा, बीआरएस, एआईएमआईएम : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), भारतीय जनता पार्टी तथा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पर तेलंगाना विधानसभा चुनाव में एक दूसरे की मदद करने के लिए 'गिरोह' की तरह काम करने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाकर के. चंद्रशेखर राव के करीब 10 साल के शासन का पटाक्षेप करने जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी, सांसद उत्तर कुमार रेड्डी और कुछ अन्य नेताओं ने संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि चुनाव से पहले सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के खातों में पैसे भेजे जाने चाहिए। कांग्रेस ने बीआरएस के खिलाफ कुछ बिंदुओं को लेकर बुधवार को निर्वाचन आयोग के समक्ष ज्ञापन भी दिया था। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया, ''तेलंगाना चुनाव में भाजपा और बीआरएस, कांग्रेस को हराने के लिए सरकारी संस्थाओं का गलत उपयोग कर रही हैं। कुछ अफसर कई साल से एक ही जगह पर हैं। वे बीआरएस को चुनाव के वास्ते धन देने के लिए काम कर रहे हैं। सेवानिवृत्त अफसरों को नियमित पोस्टिंग देकर, विपक्षी पार्टी को परेशान करने के लिए 'प्राइवेट आर्मी' की तरह काम कराया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''कई मीडिया संस्थान कांग्रेस के बारे में गलत खबरें छाप रहे हैं जिसके बारे में हमने चुनाव आयोग से शिकायत की और तुरंत कार्यवाही की मांग की है।'' रेड्डी ने यह दावा भी किया कि कांग्रेस तीन दिसंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि विधानसभा चुनाव में एक दूसरे की मदद करने के लिए बीआरएस, भाजपा और एआईएमआईएम 'गिरोह' की तरह काम कर रहे हैं।

यशवंतपुर तेरापंथ महिलाओं ने समझी स्वाध्याय की महत्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर के तत्वावधान में पॉवर ऑफ रीडिंग कार्यशाला का आयोजन यशवंतपुर सभा भवन में हुआ।अध्यक्ष मीना दक ने सभी का स्वागत कर स्वर विज्ञान की जानकारी दी। शुद्ध उच्चारण से शब्द मंत्र बन जाते है।

स्वाध्याय के पांच प्रकार की व्याख्या की गई। मंत्री लाडली मुथा ने कहा कि स्वाध्याय से स्मरण शक्ति बढती है,एकाग्रता का विकास होता है और नई नई जानकारी प्राप्त होती है। समस्याओं के समाधान की चाबी है किताबें। स्वाध्याय से वह ताला खुल जाता है जो तनाव को कम करता है। लता भंसाली और वनिता बोल्या ने संचालन किया। खेल खेल में स्वाध्याय व स्मरण शक्ति की जांच की गई।

प्रियंका ने निर्वाचन आयोग में शिकायत को लेकर भाजपा पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा उनके खिलाफ निर्वाचन आयोग में शिकायत किए जाने को लेकर बृहस्पतिवार को सत्ताधारी दल पर निशाना साधा और उसके वादों को खोखला करार देते हुए कहा कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लिफाफा खाली है''। उन्होंने अपने व्हाट्सऐप चैनल पर कहा, ''मेरी एक बात पर भाजपा वाले इतने भड़क गए कि मुझ पर मामला दायर कर दिया। मैंने तो यह कहा था कि टीवी पर देखा है कि प्रधानमंत्री जी देवनारायण जी के मंदिर में लिफाफा डाल आए, खोला गया तो उसमें 21 रुपये निकले।''

प्रियंका गांधी ने दावा किया, ''ये जो काम करते हैं, उससे भी यही दिख रहा है कि मोदी जी का लिफाफा खाली है। महिला आरक्षण, ओबीसी जाति जनगणना, ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) सब खोखले वादे हैं क्योंकि मोदी जी का लिफाफा खाली है।''

भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा पर राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान झूठे दावे करने के लिए 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निजी धार्मिक आस्था का उल्लेख करने का आरोप लगाया और निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया।

महाराष्ट्र के बीड में बस पलटने से पांच लोगों की मौत, 22 घायल

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के बीड जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक तेज रफ्तार निजी बस पलट जाने से उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना सुबह पौने छह बजे से छह बजे के बीच आष्टा फाटा में उस समय हुई, जब बस मुंबई से बीड की ओर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि बस की रफ्तार तेज थी और इसके चालक ने वाहन पर से स्पष्ट रूप से नियंत्रण खो दिया जिसके कारण यह हादसा हुआ। आष्टी पुलिस थाना प्रभारी संतोष खेतमालस ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि मृतकों में से चार बीड जिले के निवासी थे जबकि एक जिले का रहने वाला था। उन्होंने बताया कि हादसे में 22 लोग घायल हुए हैं।

पीएनबी का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में चार गुना होकर 1,756 करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ चार गुना होकर 1,756.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। ब्याज आय बढ़ने और फंसे कर्जों के लिए प्रावधान की जरूरत कम होने से उसका लाभ बढ़ा है।

पीएनबी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को जुलाई-सितंबर तिमाही के वित्तीय नतीजों की जानकारी देते हुए कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 411.27 करोड़ रुपये रहा था। आलोच्य तिमाही में बैंक की ब्याज आय 31 प्रतिशत बढ़कर 26,355 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 20,154 करोड़ रुपये थी। फंसे कर्जों के लिए वित्तीय प्रावधान भी इस तिमाही में घटकर 3,444 करोड़ रुपये पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4,906 करोड़ रुपये था।

कुल कर्जों में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का अनुपात घटकर 6.96 प्रतिशत पर आ गया जबकि साल भर पहले यह 10.48 प्रतिशत था।

केरल के राज्यपाल ने 'भारत' नाम का किया समर्थन, कहाः 'इंडिया' नाम दूसरों ने दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' करने की राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की एक समिति की सिफारिश का समर्थन किया। खान ने कहा कि 'इंडिया' नाम 'दूसरे लोगों' ने दिया था जबकि 'भारत' ऐसा नाम है जिसे देश के लोगों ने चुना है। उन्होंने कहा कि किसी ने भी संविधान में किसी संशोधन का प्रस्ताव नहीं दिया है।

खान ने एक सवाल के जवाब में कहा, '' उन्होंने जो कहा है, यदि मैंने उसे सही ढंग से पढ़ा है,तो वह यह है कि आधिकारिक संवाद/संदेशों में हम भारत शब्द का अधिक उपयोग करेंगे और मैं समझता हूं कि यदि आप उस पर गौर करें तो आप पायेंगे कि भारत ऐसा नाम है जिसे हमने खुद को दिया है । इंडिया ऐसा नाम है जो हमें दूसरों ने दिया है।'' खान का बयान एनसीईआरटी की समिति के प्रस्ताव को लेकर उठे विचाद के बीच आया है। विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने इस सिफारिश का विरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ भाजपा इतिहास के साथ छेड़छाड़ करने की चेष्टा कर रही है तथा विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के हाथों हार के डर से 'बेचैन होकर कदम' उठा रही है।

भारत वाहन परीक्षण के लिए विशेष ईंधन का उत्पादन करने वाले चुनिंदा देशों में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने वाहनों के परीक्षण में इस्तेमाल होने वाले विशिष्ट ईंधन 'रेफरेंस' पेट्रोल और डीजल का बृहस्पतिवार को उत्पादन शुरू कर दिया। इसके साथ ही भारत इस अत्यधिक विशिष्ट ईंधन का उत्पादन करने वाले चुनिंदा देशों में शामिल हो गया। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसे पेश करते हुए कहा कि देश में 'रेफरेंस' ईंधन का उत्पादन शुरू होना आत्मानिर्भर भारत की दिशा में उठाया गया एक और कदम है क्योंकि इससे आयात की जरूरत खत्म हो जाएगी।

उच्च क्षमता वाले रेफरेंस ईंधन का इस्तेमाल वाहन विनिर्माता और वाहन जांच एजेंसियां नए मॉडल के परीक्षण के लिए करती हैं। भारत दशकों से इन विशेष ईंधनों की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर रहा है। लेकिन अब सार्वजनिक क्षेत्र की आईओसी ने ऐसे उत्पाद विकसित किए हैं जो आयातित उत्पादों की जगह लेंगे। इससे वाहन निर्माताओं और परीक्षण एजेंसियों के लिए बहुत कम लागत पर विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित होगी। ओडिशा में आईओसी की पारादीप रिफाइनरी 'रेफरेंस' ग्रेड के पेट्रोल का उत्पादन करेगी जबकि हरियाणा के पानीपत में स्थित इकाई ऐसी गुणवत्ता वाले डीजल का उत्पादन करेगी। पुरी ने कहा कि पूरी दुनिया में रेफरेंस ईंधन के केवल तीन आपूर्तिकर्ता ही हैं जिनमें अमेरिकी दिग्गज शेवरॉन भी शामिल है। वाहनों का परीक्षण करने के लिए नियमित या प्रीमियम पेट्रोल एवं डीजल की तुलना में उच्च ग्रेड का ईंधन चाहिए। इसमें कई खासियत होती हैं जो सरकारी नियमों के तहत सूचीबद्ध हैं। ऐसे ईंधन को 'रेफरेंस' पेट्रोल या डीजल कहा जाता है। पुरी ने कहा कि घरेलू स्तर पर 'रेफरेंस' ईंधन का उत्पादन करने से लागत में भी फायदा होगा। नियमित पेट्रोल एवं डीजल की कीमत जहां 90-96 रुपये प्रति लीटर है वहीं आयातित 'रेफरेंस' ईंधन 800-850 रुपये प्रति लीटर का है। घरेलू स्तर पर इसका उत्पादन करने से इसकी लागत लगभग 450 रुपये प्रति लीटर तक कम हो जाएगी। आईओसी के चेयरमैन एस एम वैद्य ने कहा कि सरकार के आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य के अनुरूप आईओसी ने भी अपनी रिफाइनरियों में इस विशिष्ट ईंधन का उत्पादन शुरू कर दिया है।

भारत में विनिर्माण क्षमता बढ़ा रही है टोयोटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

TOYOTA

तोक्यो/भाषा। जापान की वाहन कंपनी टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन ने भारत में विनिर्माण क्षमता बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देश में उसके दो संयंत्र पूरी क्षमता पर परिचालन कर रहे हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

यहां 'जापान मोबिलिटी शो' के मौके पर मीडिया से अलग से बात करते हुए टोयोटा मोटर कॉरपोरेशन के बोर्ड के सदस्य और कार्यकारी उपाध्यक्ष योइची मियाजाकी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि कंपनी भारत में अपने संयंत्र के पूरे क्षमता इस्तेमाल पर पहुंच गई है।

यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी देश में क्षमता बढ़ाने के लिए नया निवेश करेगी, उन्होंने कहा, ''हमने इस बारे में चर्चा शुरू कर दी है।'' उन्होंने कहा कि भारत में कोविड-महामारी के बाद ऊंचे खंड की कारों की मांग विशेषरूप से बढ़ी है। मियाजाकी ने कहा, ''कोविड के बाद अन्य देशों की तुलना में भारत में बाजार का पुनरुद्धार काफी मजबूत है। ऐसे में हमारा मानना है कि भारत में मांग भी बहुत मजबूत है।'' बेंगलुरु स्थित टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, टोयोटा मोटर कंपनी और किर्लोस्कर समूह का संयुक्त उद्यम है। यह उद्यम दो संयंत्रों का परिचालन करता है, जिनकी सामूहिक सालाना उत्पादन क्षमता 3.42 इकाई की है। बढ़ी मांग के चलते वाहन कंपनी अब भारत में तीसरा कारखाना लगाना चाहती है। मियाजाकी ने कहा कि यह अच्छी बात है कि भारत में कार बाजार धीरे-धीरे बढ़ रहा है और वहां बड़ी कारों की स्वीकार्यता भी बढ़ी है।

खड़े ट्रक में एसयूवी घुसी, 13 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबल्लापुर। बेंगलूरु के पास चिक्कबल्लापुर के बाहरी इलाके में बेंगलूरु-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर गुरुवार को एक एसयूवी खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि वह मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी मृत व्यक्तियों के परिवारों के लिए 2-2 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की।

पुलिस ने 12 शवों की पहचान कर ली है और एक व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। मृतकों में दोड्डाबल्लापुर शहर की रहने वाली अरुणा (32), बागेपल्ली के मार्गकुंटे के रहने वाले नरसिम्हामूर्ति (37), आंध्र प्रदेश के गोरंटला के पास कलिगेरे के नरसिम्हप्पा (40) शामिल हैं। इसके अलावा डोड्डाबल्लापुर के रहने वाले रुथविक (6), आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के कोत्ताचेरुवु के पेरिमल पवनकुमार (32), बेंगलूरु के वृषभावती नगर की रहने वाली सुब्बम्मा उर्फ वेंकटलक्ष्मम्मा (45), शांतम्मा (37) और राजवर्धन (15) आंध्र प्रदेश में पेनुकोंडा के पास गौनिपेंटा गांव के निवासी हैं। आंध्र प्रदेश के माराकोरापल्ली के नारायणप्पा (50), नवाबा कोटा के ए. वेंकटरमण (51), गोरांटला के पास वनवोलू गांव के बेलाला वेंकटाद्री (32) और बेलाला लक्ष्मी (20) आदिश शामिल हैं। शवों को चिक्काबल्लापुरा शवगृह के परिसर में रखा गया है। चिक्काबल्लापुरा विधायक प्रदीप ईश्वर और जिला आयुक्त ने शवगृह का दौरा किया और मौतों पर शोक जताया।

सुबह की धुंध ने ड्राइवर के विजन को अवरुद्ध कर दिया था, जिस कारण यह हादसा हुआ। चिक्कबल्लापुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डी.एल. नागेश ने कहा कि एसयूवी पीछे से एक ट्रक से टकरा गई, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, सात अन्य ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया और एक की अस्पताल में मौत हो गई। टक्कर के कारण कार के दरवाजे जाम हो गए और पीड़ितों को बचाने के लिए स्थानीय लोगों और पुलिस को उन्हें तोड़ना पड़ा। आगे की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दुर्घटना का एक मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा ने बैयरती सुरेश को फर्जी दस्तावेज मामले में अयोग्य ठहराने की मांग की

■ सत्ता की लालच में वे फर्जी कार्ड बना रहे हैं और उन्हें अवैध प्रवासियों को जारी कर रहे हैं, अल्पसंख्यक वोट बैंक बना रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मंत्री एस सुरेश कुमार के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने फर्जी आधार, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बनाने में अपने सहयोगियों की संलिप्तता के लिए शहरी विकास मंत्री बैयरती सुरेश को अयोग्य घोषित करने की मांग की है।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई थी जिसमें शहरी विकास मंत्री सुरेश को अयोग्य ठहराने और उनके सहयोगियों के खिलाफ आपराधिक उल्लंघन का मामला दर्ज करने की मांग की गई थी। भाजपा नेताओं ने इस घोटाले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी और केंद्रीय ब्यूरो को सौंपने की भी मांग की थी। उन्होंने बताया कि शहर के आरटी नगर में एमएसएल टेक्नो सॉल्यूशंस नामक उनके बिजनेस सेंटर में फर्जी आधार, पैन, वोटर पहचान पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के आरोप में मौनेश भगत, राघवेंद्र के खिलाफ

बेंगलूरु में गुरुवार को कर्नायक चुनाव आयोग कार्यालय में शिकायत करने पहुंचा भाजपा प्रतिनिधि मंडल।

एफआईआर दर्ज की गई थी।

भाजपा ने आरोप लगाया कि इस घोटाले को स्थानीय नेताओं और कांग्रेस पार्टी से जुड़े हेब्बल विधायक ने हवा दी है। इसमें यह भी आरोप लगाया गया कि आधार और अन्य कार्ड जारी करके अवैध प्रवासियों को राजनीतिक संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को अवैध आप्रवासियों को राजनीतिक संरक्षण प्रदान करने के लिए दंडित किया जाना चाहिए। भाजपा ने आरोप लगाया कि सत्ता की लालच में वे फर्जी कार्ड बना रहे हैं और उन्हें अवैध प्रवासियों को जारी कर रहे हैं, अल्पसंख्यक वोट बैंक बना रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं। भाजपा ने कहा कि इस तरह मामले को देश की राष्ट्रीय संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के खिलाफ अपराध माना जाना चाहिए।

मांस के लिए मोरों की हत्या के आरोप में कर्नाटक पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया

तुमकुरु। कर्नाटक वन विभाग ने गुरुवार को जिले के मरनायकनपाल्या गांव में मांस के लिए मोरों की हत्या के आरोप में ओडिशा के तीन मूल निवासियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बिटिंग नायक, बैशाक दावु और दुबा कपाट के रूप में हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपी मरनायकनपाल्या में एक ईंट कारखाने में काम करते थे और मोरों के मांस के लिए मारते थे जो उनके अनुसार स्वादिष्ट होता है। पुलिस को सूचना मिली कि वे गांव में मोरों को मारने की फिराक में थे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे G20
ई-निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/EPC/63/2023 का शुद्धीपत्र-1, दिनांक: 24.08.2023

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
तुमकूरु - चित्रदुर्गा - दावणगेरे नई लाईन परियोजना के तहत भरमसागरा (सहित) और चित्रदुर्गा (रहित) स्टेशनों के बीच इलेक्ट्रिकल, सिग्नल एवं दूरसंचार कार्यों के साथ साथ चेनेज 171.640 एवं चैनेज 142.920 (28.720 किमी) के बीच नई ब्राड गेज लाईन का निर्माण कार्य। (निविदा उल्लेख सं: TK-DVG-EPC-02)	रु. 3,80,13,75,567/-

अंतिम तारीख

मौजूदा	संशोधित
22.11.2023 (15:00 बजे)	30.01.2024 (15:00 बजे)

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजिनीयर/निर्माण/कार्य
बेंगलूरु छावनी
PUB/465/AAD/PRB/SWR/2023-24
South Western Railway - SWR | @SWRRLY | SWRRLY

केनरा बैंक का दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 43 प्रतिशत बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

के. सत्यनारायण राजू

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में केनरा बैंक का शुद्ध लाभ 43 प्रतिशत बढ़ गया है। इस तरह यह 3,606 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। बैंक की ब्याज आय बढ़ी है, जिससे डूबे कर्ज के लिए प्रावधान घटने से मुनाफे में बढ़ोतरी हुई है।

बता दें कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 2,525 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय 19.76 प्रतिशत बढ़ गई, जो 8,903 करोड़ रुपए थी। वहीं, समीक्षाधीन अवधि में बैंक का कुल प्रावधान घटकर 2,608 करोड़ रुपए रह गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,637 करोड़ रुपए था। आंकड़ों के अनुसार, तिमाही में बैंक का एनपीए घटकर कुल ऋण का 4.76 प्रतिशत रह गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के आखिर तक 6.37 प्रतिशत था।

येडीयुरप्पा को मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बी.एस. येडीयुरप्पा को राज्य में कट्टरपंथी समूहों से उनके जीवन को खतरे को देखते हुये जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। सूत्रों ने बताया कि येडीयुरप्पा को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कुल 33 जेड श्रेणी के सुरक्षा कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। एक सूत्र ने कहा, उनके आवास पर 10 सशस्त्र गार्ड तैनात किए जाएंगे और तीन शिफ्टों में 12 सशस्त्र गश्ती कमांडो तैनात किए जाएंगे। दो व्यक्ति चौबीसों घंटे सुरक्षा की निगरानी करेंगे।

येडीयुरप्पा कर्नाटक में राज्यव्यापी दौरा शुरू कर रहे हैं और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) द्वारा खतरे के आकलन के जवाब में सुरक्षा प्रदान की गई है। सुरक्षा घेरा केवल कर्नाटक तक ही सीमित रहेगा। इससे पहले, राज्य सरकार ने कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस (केएसआरपी) के कर्मियों को येडीयुरप्पा की सुरक्षा में तैनात किया था।

येडीयुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा पहली बार दक्षिण भारत में सत्ता में आई थी। हालाँकि, उन्होंने चुनावी राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी थी, इसके बावजूद वह राज्य भाजपा में सबसे लोकप्रिय जन नेता बने हुए हैं।

बाघ के पंजे का लॉकेट पहनने पर दो पुजारी गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले में बाघ के पंजे का लॉकेट पहनने के आरोप में दो पुजारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार पुजारियों की पहचान कृष्णानंद होल्ला और नागेंद्र जोइस के रूप में की गई है, दोनों खांड्या के मार्कंडेश्वर मंदिर से जुड़े हुए हैं।

वन विभाग के अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से तीन बाघ के पंजे के लॉकेट जब्त कर लिए। दो अन्य से पूछताछ की जा रही है. बालेहोन्नूर रेंज के वन अधिकारियों ने कहा कि बाघ के पंजे को फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में परीक्षण के लिए भेजा जाएगा। अदालत वर्थुर संतोष की जमानत याचिका पर विचार कर सकती है, जिन्हें बाघ के पंजे का लॉकेट पहनने के लिए 22 अक्टूबर को कन्नड़ बिग बॉस रियलिटी शो के सेट से गिरफ्तार किया गया था।

संतोष की गिरफ्तारी पर लोगों ने सवाल उठाए, जिन्होंने बाघ के पंजे के लॉकेट का उपयोग करते हुए अन्य मशहूर हस्तियों की तस्वीरें साझा कीं और आरोप लगाया कि मशहूर हस्तियों और राजनेताओं के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। धार्मिक संत विनय गुरुजी

भी सवालों के घेरे में आ गए हैं, क्योंकि उन्हें बाघ की खाल पर बैठे देखा गया है।

वन विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को संबंधित मशहूर हस्तियों के आवासों पर निरीक्षण और तलाशी ली। कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन, अभिनेता और राजनेता निखिल कुमारस्वामी और फिल्म निर्माता रॉकलाइन वेंकटेश इस मामले में वन विभाग के अधिकारियों को अपने लिखित जवाब सौंप सकते हैं। फिल्म अभिनेता और भाजपा के राज्यसभा सदस्य जग्गेश के गुरुवार को मामले के सिलसिले में अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने की संभावना है।

जग्गेश ने लाइव इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उनकी मां ने उन्हें टाइगर क्लॉ पेंडेंट उपहार में दिया था और यह वास्तव में असली है।

इंस्टाग्राम दोस्त द्वारा उत्पीड़न के बाद कर्नाटक की महिला ने की खुदकुशी

उत्तर कन्नड़ (कर्नाटक)। कर्नाटक में एक महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दोस्त बने एक व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर परेशान किए जाने के बाद आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मृतका की पहचान उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल शहर के पास हदावल्ली गांव की रहने वाली 24 वर्षीय नेथरा गोवाली के रूप में हुई है। महिला के पिता ने उसके इंस्टाग्राम दोस्त गोवर्धन मोगर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

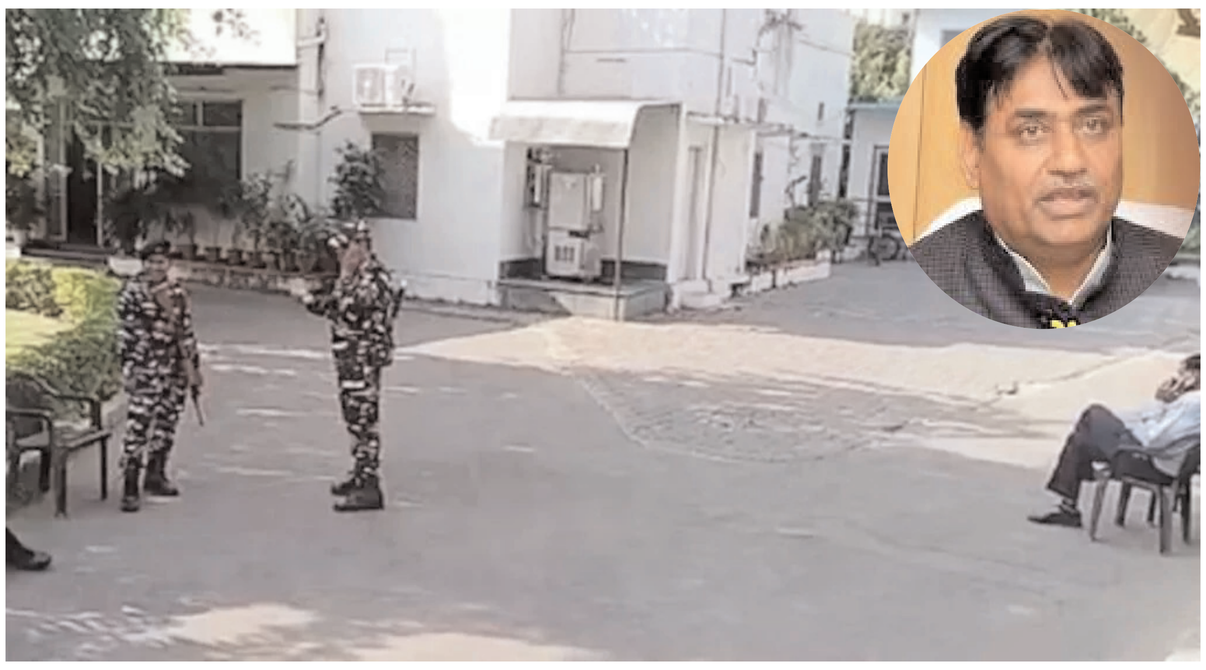

ईडी ने राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा के परिसरों पर छापे मारे, गहलोत के बेटे वैभव को भेजा समन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चुनावी प्रदेश राजस्थान में कथित परीक्षा पत्र लीक मामले की धन शोधन जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जयपुर और सीकर स्थित परिसरों पर छापे मारे तथा विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पूर्व स्कूली शिक्षा मंत्री डोटासरा (59) के परिसरों के अलावा दौसा में महवा सीट से पार्टी के उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला तथा कुछ अन्य के परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है। धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत यह तलाशी ली जा रही है। ईडी के दलों के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक सशस्त्र दल भी है।

कांग्रेस ने राजस्थान में अपने नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को लेकर केंद्र की आलोचना की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर चुनाव लड़ने में जांच एजेंसियों की मदद लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को करारा जवाब देंगे। मुख्यमंत्री गहलोत ने ईडी की कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि देश में आतंक फैलाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ईडी के छापों के जरिए उन्हें निशाना बना रही है क्योंकि वे उनकी सरकार को सत्ता से नहीं हटा सकते।

राजस्थान में 200 सदस्यीय विधानसभा के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा। नतीजों की घोषणा तीन नवंबर को की जाएगी। डोटासरा सीकर में लछमनगढ़ सीट से भाजपा के उम्मीदवार सुभाष महरिया के खिलाफ कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। वह इस सीट से मौजूदा विधायक भी हैं जबकि हुड़ला निर्दलीय विधायक हैं तथा कांग्रेस ने इस बार उन्हें महवा विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है।

धन शोधन का यह मामला आरोपियों के खिलाफ राजस्थान पुलिस द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकियों पर आधारित है। ईडी ने कहा था कि आरोपियों ने एक-दूसरे की मिलीभगत से वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड 2 प्रतिस्पर्धी परीक्षा 2022 के सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र को लीक किया, जो परीक्षा आरपीएससी द्वारा 21 दिसंबर 2022, 22 दिसंबर 2022 और 24 दिसंबर 2022 को होनी थी। आरोपियों ने यह प्रश्न पत्र परीक्षा दे रहे उम्मीदवारों को उपलब्ध कराया तथा प्रति उम्मीदवार आठ से 10 लाख रुपये लिए थे।

ईडी ने इस मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा और अनिल कुमार मीणा तथा भूपेंद्र सरन नामक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन से संबंधित एक मामले में पूछताछ के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को तलब भी किया है।

सूत्रों ने बताया कि वैभव गहलोत को शुक्रवार को नयी दिल्ली में संघीय एजेंसी के कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। बहरहाल, ऐसी संभावना है कि वह ईडी से किसी और दिन पेश होने का अनुरोध कर सकते हैं क्योंकि उन्हें 2011 से अब तक के दस्तावेज जुटाने पड़ेंगे ताकि उन्हें ईडी जांचकर्ताओं के समक्ष दिखा सकें। फेमा की कार्यवाही दीवानी प्रकृति की होती है जबकि पीएमएलए की कार्यवाही आपराधिक प्रकृति की होती हैं। इस समन का संबंध राजस्थान स्थित आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े समूह 'ट्राइटन होटल्स एंड रिसॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड', 'वर्धा एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड' और इसके निदेशकों एवं प्रमोटर शिव शंकर शर्मा, रतन कांत शर्मा और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा हाल में मारे गए छापों से है।

एजेंसी ने अगस्त में तीन दिनों तक जयपुर, उदयपुर, मुंबई और दिल्ली में समूह और उसके प्रमोटर से जुड़े परिसरों पर छापे मारे थे। इस छापेमारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने 1.2 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की थी जो आय के ज्ञात स्रोत से अधिक थी। ऐसा बताया जा रहा है कि वैभव गहलोत के साथ रतन कांत शर्मा के संबंध प्रवर्तन निदेशालय की जांच के दायरे में हैं और वैभव से फेमा के तहत पूछताछ और उनका बयान दर्ज किए जाने की संभावना है। रतन कांत शर्मा पहले भी कार किराये पर देने वाली एक कंपनी में वैभव गहलोत के कारोबारी साझेदार रह चुके हैं।

राजस्थान में अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के तुरंत बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि ईडी, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी एजेंसियां चुनाव आते ही भाजपा का 'पन्ना प्रमुख' (पार्टी कार्यकर्ता) बन जाती हैं। खरगे ने कहा, राजस्थान में अपनी हार निश्चित देखकर भारतीय जनता पार्टी ने अपना आखिरी दांव चला है। छत्तीसगढ़ के बाद ईडी अब राजस्थान में भी चुनाव प्रचार में उतर गयी है और उसने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार की तानाशाही लोकतंत्र के लिए घातक है। हम एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ते रहेंगे, जनता भाजपा को करारा जवाब देगी। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जहां भी चुनाव होते हैं वहां ईडी छापे मारती है। उन्होंने कहा कि चाहे छत्तीसगढ़ हो, कर्नाटक या हिमाचल प्रदेश हो, ईडी चुनाव से कुछ वक्त पहले ही छापे मारती है। उन्होंने कहा, छापे मारे गए लेकिन कांग्रेस चुनाव जीती। स्थिति चिंताजनक है। वे देश में आतंक मचा रही हैं। आंकड़ों का हवाला देते हुए गहलोत ने कहा कि ईडी ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के 10 साल के कार्यकाल में 112 छापे मारे और 104 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए। लेकिन 2014 के बाद 3,010 छापे मारे गए और 881 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए। संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, राज्य के मंत्री महेश जोशी और प्रताप सिंह खाचरियावास भी मौजूद रहे।

राजस्थान विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सीमा पर बढाई चौकसी

सिरसा। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को प्रस्तावित विधानसभा चुनावों को लेकर सिरसा जिला पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने आज बताया कि जिला पुलिस द्वारा जहां जिला के अंदर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए है, वहीं जिला से सटे राजस्थान की सीमा पर भी पुलिस ने पूरी तरह से चौकसी बढ़ा दी है। राजस्थान चुनाव को लेकर साथ लगते हनुमानगढ़ जिला के पुलिस अधिकारियों के साथ लगातार बेहतर समन्वय स्थापित कर सांझा रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस की तरफ से राजस्थान चुनावों को निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से संपन्न करवाने के लिए पूरा सहयोग किया जाएगा। जिला पुलिस द्वारा राजस्थान सीमा पर स्थापित किए गए नियमित नाकों के अलावा राजस्थान की पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त नाकाबंदी भी की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि राजस्थान से सिरसा जिला में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति एवं वाहन को गहन जांच की जा रही है तथा संदिग्ध किस्म के लोगों पर पैनी नजर रखी जा रही है। समय-समय पर जिला के साथ लगती राजस्थान बॉर्डर पर स्थापित नाकों तथा चुनाव के दौरान किए जाने वाले सुरक्षा प्रंबधों की रणनीति तैयार कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में राजस्थान सीमा के साथ लगते जिला पुलिस के ऐलनाबाद, रानियां तथा नाथूसरी चौपटा के सभी थाना प्रभारियों की बैठक लेकर राजस्थान चुनाव के दौरान पूरी सतर्कता व चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए है।

घबराने वाले नहीं, और अधिक गारंटी देंगे : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राजस्थान में की गई छापेमारी की कार्रवाई पर बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस इससे घबराने वाली नहीं है तथा वह आगे चलकर जनता के लिए और भी गारंटियों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि देश में हालात चिंताजनक हैं और जांच एजेंसियों के जरिए आतंक मचाया जा रहा है। गहलोत ने यहां पत्रकारों से कहा, जो हालात बना रखे हैं उससे घबराने वाले नहीं हैं.. इन लोगों को गलतफहमी है। अभी तो हम पांच और गारंटी देने जा रहे हैं। वे पहले ही तय कर लें कि उसके बाद उन्हें कहां-कहां छापे डालने हैं।

ईडी ने कथित परीक्षा पत्र लीक मामले में धनशोधन जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के परिसरों पर छापे मारे। इसके साथ ही एक अन्य मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को समन दिया गया है। गहलोत ने यहां कांग्रेस 'वाररूम' में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, आज हालात चिंताजनक हैं। सवाल कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष या मेरे बेटे का नहीं है, सवाल यह है कि पूरे देश में आतंक मचा दिया गया है। यह आतंक शुभ संकेत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि यह कार्रवाई इसलिए की गई है क्योंकि सत्तारूढ़ कांग्रेस की ओर से बुधवार को दो 'गारंटियों' की घोषणा की गई। गहलोत ने कहा, वे नहीं चाहते कि हम महिलाओं, दलितों व पिछड़ों को राहत दें ..कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के यहां ईडी के छापे पड़ना मायने रखता है।

बुधवार को झुंझुनू में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की एक रैली में मुख्यमंत्री गहलोत ने राज्य में कांग्रेस की सरकार दुबारा आने की स्थिति में दो गारंटी का वादा किया था। इन गारंटी में 1.05 करोड़ परिवारों को 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देना व परिवार की महिला मुखिया को किस्तों में 10,000 रुपये की सालाना सम्मान राशि देना शामिल है। ईडी की कार्रवाई की आलोचना करते हुए गहलोत ने कहा, हम इसकी घोर निंदा करते हैं।

केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ये हालात हैं ... दिल्ली में ऐसी सरकार बनी बैठी है जो अपने काम, व्यवहार व नीति तथा सिद्धांतों से लोगों का दिल जीतने के बजाय गुंडागर्दी कर रही है। ऊपर के दबाव के बगैर न ईडी आ सकती है, न आयकर विभाग और न ही सीबीआई आ सकती है। उन्होंने कहा कि यदि देश की प्रमुख एजेंसियों की साख न रही तो गड़बड़ हो जाएगी। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा ने कहा, न डरे हैं, न डरेंगे, इनका मुकाबला करेंगे।

टिड्डी दल की तरह किया जा रहा ईडी का इस्तेमाल : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल टिड्डी दल की तरह किया जा रहा है जो अंतत: उसकी ही फसल चट होने का कारण बनेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस व इसके नेता इस तरह की कार्रवाइयों से घबराने वाले नहीं हैं।

ईडी ने कथित परीक्षा पत्र लीक मामले में धनशोधन जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के परिसरों पर छापे मारे। इसके साथ ही एक अन्य मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को समन दिया गया है। गहलोत ने इस मुद्दे पर यहां कांग्रेस के 'वार रूम' में मीडिया को संबोधित किया।

उन्होंने कहा, हम घबराने वाले नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी व इसके नेता घबराने वाले नहीं हैं। चाहे वे कितना ही ईडी का दुरुपयोग करें। गहलोत ने कहा, हमारे यहां पाकिस्तान से टिड्डी दल आता है जो फसलें चट कर जाता है। ईडी उनकी (भाजपा) फसलों को चट कर जाएगी। ईडी भाजपा की ऐसी हालत खराब करेगी .. गांव-गांव बात फैल जाएगी कि (ये) टिड्डी दल की तरह ही ईडी का उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश में हालात चिंताजनक हैं और जांच एजेंसियों के जरिए आतंक मचाया जा रहा है। गहलोत ने 2020 के राजनीतिक संकट का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तब राज्य की कांग्रेस सरकार नहीं गिरा पाए, इसलिए राजस्थान व वह (गहलोत) उनके निशाने पर हैं। उन्होंने कहा, निशाना मुझे बना रहे हैं क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी जी हों या अमित शाह जी हों, राजस्थान में सरकार नहीं गिरा पाए। इनको वह दर्द इतना भयंकर है ... पांच सरकारें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गोवा मणिपुर... खरीद-फरोख्त कर इन्होंने वहां सरकार बना ली। यहां (राजस्थान में) उनकी दाल नहीं गली, इसलिए जानबूझकर राजस्थान उनका सबसे बड़ा निशाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम उनका मुकाबला कर रहे हैं और इनको कामयाब होकर दिखाएंगे। जनता हमारे साथ है। ईडी का दुरुपयोग करो, सीबीआई का करो, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। और आज इन्होंने जो किया है, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पर हमला किया है.. जनता इनको बख्शेगी नहीं।

कार्रवाई के असर के बारे में गहलोत ने कहा, इसका असर बिलकुल पड़ेगा ...गांव-गांव में, घर-घर में लोग बहुत समझदार हैं। कल वैभव गहलोत (को नोटिस देने) का.. और आज (डोटासरा के यहां छापे) की कार्रवाई... इसकी राजस्थान के घर-घर में चर्चा होगी। क्योंकि हमने गारंटी देनी शुरू की। उनको मालूम है कि सात गारंटी कांग्रेस देने वाली है। दो कल प्रियंका गांधी की मौजूदगी में दी गईं और पांच गारंटी देनी बाकी हैं। कल उन गारंटी की घोषणा होगी। उन्होंने कहा, देश में चर्चा होती है कि राजस्थान सरकार की गारंटियां लागू हो गई हैं। हमारी 90 प्रतिशत बजट घोषणाएं लागू हो गई हैं।

उन्होंने कहा, कर्नाटक में 22 बार छापे डाले गए वहां कांग्रेस चुनाव जीती। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हवा चल रही है। वहां साल भर से ईडी वाले बैठे हैं, लगातार छापेमारी कर मुख्यमंत्री व सरकार को तंग कर रहे हैं। वहां कांग्रेस जीतने जा रही है। राजस्थान में इस बार जनता का मन कांग्रेस की दुबारा सरकार बनाने का है। यह माहौल बन चुका है राजस्थान में। इनको तकलीफ हो रही है और इसीलिए डरा-धमका रहे हैं। गहलोत ने कहा कि संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले मामले में राज्य की जांच एजेंसी ने ईडी को छह बार पत्र भेजा लेकिन वहां वह नहीं आ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, आज हालात चिंताजनक हैं। सवाल कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष या मेरे बेटे का नहीं है। सवाल है कि पूरे देश में आतंक मचा रखा है।

भाजपा इस तरह के हथकंडों से कांग्रेस के नेताओं को डरा नहीं सकती : पायलट

राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के यहां ईडी की छापेमारी की मैं कठोर शब्दों में निंदा करता हूँ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राजस्थान में छापेमारी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया जताते हुए बृहस्तिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस तरह के हथकंडों से कांग्रेस के नेताओं को डरा नहीं सकती। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुटता से साथ खड़े हैं। ईडी ने कथित परीक्षा पत्र लीक मामले में धन शोधन जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के परिसरों पर छापे मारे। साथ ही एक अन्य मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को समन दिया गया है। पायलट ने 'एक्स' पर लिखा,राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के यहां ईडी की छापेमारी की मैं कठोर शब्दों में निंदा करता हूँ। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को भी ईडी का समन दिया गया है। उन्होंने आगे लिखा,भाजपा इस तरह के हथकंडों से कांग्रेस के नेताओं को डरा नहीं सकती। प्रदेश कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुटता से साथ खड़े हैं। पायलट के अनुसी, इस प्रकार की कार्रवाई से भाजपा की घबराहट साफ़ दिखाई देती है, क्योंकि जनता आगामी चुनावों में राजस्थान में फिर कांग्रेस की सरकार लाने का मन बना चुकी है। वहीं ईडी की कार्रवाई के बाद डोटासरा ने 'एक्स' पर लिखा,सत्यमेव जयते।

गहलोत, कांग्रेस के अन्य नेता ईडी की कार्रवाई का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं : भाजपा

नयी दिल्ली/जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के अन्य नेता प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस द्वारा राजस्थान में उसके नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को लेकर केंद्र की आलोचना करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राज्य में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने में जांच एजेंसियों की मदद लेने का आरोप लगाने के बाद आई है। प्रवर्तन निदेशालय ने बृहस्पतिवार को राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जयपुर और सीकर स्थित परिसरों पर प्रश्न पत्र लीक मामले में धन शोधन से जुड़े एक मामले की जांच के तहत छापा मारा और विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे को तलब किया। गहलोत ने ईडी की कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि देश में आतंक फैलाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ईडी के छापों के जरिए उन्हें निशाना बना रही है क्योंकि वे उनकी सरकार को सत्ता से नहीं हटा सकते। इस पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री गहलोत के आरोपों को 'निराधार' बताया।

ईडी की कांग्रेसी नेताओं पर कार्रवाई केंद्र सरकार के इशारे पर : लोकेश शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी और प्रदेश कांग्रेस सेंट्रल वॉर रूम के को-चेयरमैन लोकेश शर्मा ने कहा कि अगर ईडी जैसी स्वतंत्र जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के दबाव में काम नहीं कर रही हैं, तो उन्हें राजस्थान में संजीवनी घोटाले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। देशभर में ईडी की कांग्रेसी नेताओं पर हो रही कार्रवाई इस बात का प्रमाण है कि ईडी केंद्र सरकार के टूल के रूप में काम कर रही है। भाजपा के कई आला नेता आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। अगर उन नेताओं पर बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई हो, तो केंद्रीय जांच एजेंसियों की गिरती साख पर अंकुश लग सकेगा।

लोकेश शर्मा ने प्रदेश में कांग्रेस नेताओं पर कार्रवाई को भाजपा की बौखलाहट करार दिया है। लोकेश शर्मा ने जयपुर, सीकर, दौसा में ईडी की कार्रवाई और आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत को ईडी दफ्तर में पेश होने के समन को लेकर केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर करारा प्रहार किया। लोकेश शर्मा ने कहा कि राजस्थान में होने जा रहे चुनाव में अपनी सुनिश्चित हार से भाजपा बुरी तरह बौखलाई हुई है। मुद्दाविहीन भाजपा द्वारा कांग्रेस पार्टी पर दबाव के षड्यंत्र के रूप में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के यहां ईडी की कार्रवाई बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।लोकेश शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि देशभर में बीजेपी विपक्ष के नेताओं पर आक्रमण करती है, केस करती है, केंद्रीय जांच एजेंसीज का दुरुपयोग करती है, जनता इसे देख रही है और कांग्रेस पार्टी डरने वाली नहीं है। एक तरफ तानाशाही हुकूमत है, दूसरी तरफ लोकतंत्र और संविधान में पूर्ण आस्था लिए सच्चाई की ताकत। संघर्ष जारी है, जारी रहेगा, हम मुकाबला करेंगे और जीतेंगे, बीजेपी का कोई भी दबाव और टारगेट करके की जा रही कार्रवाई राजस्थान में कांग्रेस सरकार रिपीट होने से नहीं रोक सकते। लोकेश शर्मा ने आरोप लगाया कि देशभर के चुनावी राज्यों में कांग्रेस नेताओं को भाजपा और अन्य सहयोगी दलों के गठबंधन वाली केंद्र की एनडीए सरकार जानबूझकर निशाने पर लिए हुए है। कर्नाटक में भी विधानसभा चुनाव से ऐन पहले ईडी ने छापेमारी शुरू की थी। अब उसी तर्ज पर कर्नाटक के बाद छत्तीसगढ़ और राजस्थान में ईडी ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष लोग हमेशा से भाजपा के निशाने पर रहे हैं, नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से घंटों तक ईडी दफ्तर में की गई पूछताछ इसी की बानगी है।

कांग्रेस नेता गलत नहीं तो डर किस बात का? : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर कांग्रेस नेता बेदाग हैं तो वे राज्य में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से क्यों डरते हैं। विधानसभा चुनावों से पूर्व कांग्रेस नेताओं पर ईडी के दुरुपयोग के मुख्यमंत्री के आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जोशी ने कहा, आप (कांग्रेस नेता) अगर गलत नहीं हैं तो डर किस बात का है। ईडी ने बृहस्पतिवार को जयपुर में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और दौसा में महुआ से कांग्रेस प्रत्याशी और निर्दलीय विधायक ओमप्रकाश हुड़ला के परिसरों पर छापेमारी की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस नेता गोपाल केसावत को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में ब्यूरो ने मामले से भ्रष्टाचार से संबंधित धाराएं हटा दीं।

जोशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस राज में प्रश्नपत्र लीक हुए और युवाओं के साथ धोखा हुआ। उन्होंने कहा, उन्होंने(कांग्रेस नेताओं ने) पेपर लीक करने और लाखों युवाओं के सपनों को नष्ट करने का पाप किया है।

युवाओं को न्याय नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को ईडी के समन पर जोशी ने कहा कि यह धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) का पुराना मामला है। जोशी बृहस्पतिवार को पार्टी घोषणापत्र के संबंध में लोगों से सुझाव एकत्र करने के लिए आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के पूरा होने पर यहां पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। जोशी ने बताया कि लोगों ने भाजपा पर भरोसा जताया है और 1.03 करोड़ सुझाव मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान इस महीने की शुरुआत में पार्टी अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने शुरू किया था।

उत्साह और उमंग की परंपरा के वाहक हैं भारत के त्योहार : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागपत (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के त्योहार उत्साह तथा उमंग की परंपरा के वाहक हैं। उन्होंने कहा कि ये पर्व देश की ऋषि परंपरा की साधना और सिद्धि का परिणाम हैं।

मुख्यमंत्री ने बागपत के नांगल गांव स्थित श्री गुरु गोरक्षनाथ आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महापुराण के शुभारंभ के अवसर पर कहा, 'भारत के त्योहार उत्साह तथा उमंग की परंपरा के वाहक हैं। इनमें शोक और दु:ख के लिए कोई जगह नहीं है। हमने सदैव सकारात्मक सोच के साथ भारत की परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। ये पर्व और त्योहार भारत की ऋषि परंपरा की साधना और सिद्धि का परिणाम हैं। अच्छा सोचो, अच्छा करो तो परिणाम अच्छा ही आएगा।'' उन्होंने कहा, ''बागपत की धरती का महाभारत कालीन महत्व है। श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से जो पांच गांव मांगे थे, उनमें बागपत की धरती भी शामिल है।''

मुख्यमंत्री ने श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के शुभारंभ पर कहा कि ये महापुराण असल में 'ज्ञान यज्ञ' है। उन्होंने कहा, '' ये मोक्ष और मुक्ति से जुड़े हुए हैं। अलग-अलग व्यक्ति के लिए मुक्ति का अर्थ अलग-अलग हो सकता है। संन्यासी के लिए यह जन्म और मरण के बंधन से छूटना है, वहीं गृहस्थ के लिए उसके सत्कर्मों का सुफल मिलना है। इस महापुराण में ज्ञान, भक्ति और वैराग्य तीनों मिलता है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि महंत योगी अर्जुननाथ ने बागपत में बड़े सभागार और सरोवर का निर्माण कराया है। अब इनके संरक्षण के लिए स्थानीय लोगों को आगे आना होगा। धार्मिक स्थलों के संरक्षण से नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा यहां (बागपत में) विभिन्न धार्मिक आयोजनों से जुड़ने का आप सभी को अवसर मिलेगा। इससे समाज में सकारात्मकता बढ़ेगी; खुशहाली आएगी और अव्यवस्था समाप्त होगी।

मोदी ने शिरडी में श्री साईबाबा समाधि मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को शिरडी स्थित श्री साईबाबा समाधि मंदिर में पूजा-अर्चना की। मोदी के साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी थे। प्रधानमंत्री बाद में स्वास्थ्य, रेल, सड़क और तेल एवं गैस जैसे क्षेत्रों में लगभग 7,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए शिरडी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। मोदी 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करने के लिए गोवा भी जाएंगे।

खेल भावना और एकता को बढावा देंगे राष्ट्रीय खेल : मोदी

पणजी/भाषा। गोवा में बृहस्पतिवार की शाम 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करने आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश भर से खिलाड़ियों को एक साथ लाने वाले इन खेलों से खेल भावना और एकता बढेगी। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन पहली बार गोवा में हो रहा है । प्रधानमंत्री मोदी जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शाम को 6.30 पर इनका उद्घाटन करेंगे । इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा ,'' आज शाम को मैं गोवा में 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करूंगा । इन खेलों से देश भर के खिलाड़ी एक साथ आयेंगे जिससे खेल भावना और एकता बढेगी । मुझे विश्वास है कि इन खेलों में प्रतिभा, परिश्रम और खेलों के लिये प्रेम का जश्न मनाया जायेगा ।''इस मौके पर केंद्रीय खेलमंत्री अनुराग ठाकुर और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी मौजूद होंगे ।

कैस्परस्काई ने मालवेयर 'स्ट्राइप्डफ्लाई' को लेकर आगाह किया

फुकेट (थाइलैंड)/भाषा। साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्काई ने मालवेयर 'स्ट्राइप्डफ्लाई' के प्रति सचेत करते हुए कहा है कि इसने पिछले छह साल में दुनियाभर में दस लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है। रूस की इकाई ने यहां जारी एक रिपोर्ट में कहा कि शुरुआत में स्ट्राइप्डफ्लाई एक क्रिप्टोकरेंसी 'माइनर' के रूप में काम कर रहा था, अब यह एक जटिल मालवेयर बन गया है, जो कई तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''कैस्परस्काई के विशेषज्ञों ने पहले से अज्ञात, अत्यधिक परिष्कृत स्ट्राइप्डफ्लाई मालवेयर का पता लगाया है। 2017 से इस वैश्विक पहुंच वाले मालवेयर ने 10 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है।'' रिपोर्ट में है कि यह मालवेयर हर दो घंटे में जानकारी चुराता है। यह साइट और वाई-फाई लॉगइन ब्योरे जैसे संवेदनशील आंकड़ों के साथ-साथ नाम, पता, फोन नंबर, कंपनी और नौकरी के बारे में व्यक्तिगत डेटा की चोरी करता है।

सिलिकॉन वैली की एआई कंपनी बिहार में उतरी, पटना में कार्यालय खोला

वॉशिंगटन/भाषा। सिलिकॉन वैली की एक कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी ने बिहार में कार्यालय खोला है, जिससे यह अमेरिका से राज्य में प्रवेश करने वाली पहली आईटी कंपनी बन गई है। सांता क्लारा मुख्यालय वाली टाइगर एनालिटिक्स ने इस महीने पटना में अपना पहला कार्यालय खोला है। टाइगर एनालिटिक्स के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) महेश कुमार ने हाल में एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा से कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि हमने जो शुरुआती कदम उठाए हैं, उनसे आगे चलकर काफी प्रगति हो सकती है। फिलहाल कंपनी के भारत में लगभग 4,000 कर्मचारी हैं। इनमें से ज्यादातर चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में हैं।

कुमार, जो खुद बिहार से आते हैं, ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान कंपनी के ज्यादातर कर्मचारी बिहार घर चले गए और उन्होंने वहीं से काम करना शुरू किया। उन्होंने कहा, ''अभी हमारे पास बिहार और झारखंड में सौ लोग हैं। वे घर से काम कर रहे हैं और वहां खुश हैं, वे वापस नहीं आना चाहते।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे में हमें महसूस हुआ कि ये प्रतिभाशाली लोग हैं। वे घर बिहार में रहना चाहते हैं, लेकिन उनके पास वहां काम का अवसर नहीं है। जब हमने यह कार्यालय (पटना में) स्थापित किया, तब भी सोशल मीडिया पर बहुत प्रतिक्रियाएं आईं। लोग वहां (बिहार में) टाइगर (एनालिटिक्स) के बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे वापस जा सकें और वहां से काम कर सकें।''

पश्चिम बंगाल : मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक के आवासों सहित कई स्थानों पर ईडी ने छापा मारा

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने कई करोड़ रुपए के कथित राशन वितरण घोटाले के संबंध में जारी जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक के परिसरों पर बृहस्पतिवार को तड़के छापेमारी शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में स्थित राज्य के वन मंत्री मलिक के दो फ्लैट पर केंद्रीय बलों की एक टीम के सहयोग से छापा मारा।

सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने छापेमारी की इस कार्रवाई को लेकर कहा कि यह ''बदले की राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है।'' अधिकारी ने बताया कि मलिक के पूर्व निजी सहायक के मकानों सहित आठ अन्य फ्लैट पर भी छापेमारी की कार्रवाई जारी है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी ने कहा, ''मलिक के आवासों पर आठ अधिकारी छापे मार रहे हैं। हम उनके पूर्व निजी सहायक के दमदम स्थित आवास और कुछ अन्य स्थानों पर भी तलाशी ले रहे हैं।'' अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी पहले ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चुकी है, जिसके सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मलिक के साथ कथित तौर पर करीबी संबंध हैं।

किसानों को गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराएगी नई सहकारी समिति बीबीएसएसएल : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने का आह्वान किया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) का गठन बीजों का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के अलावा प्रमाणित बीजों के निर्यात के लिए किया गया है।

नवगठित भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा आयोजित 'सहकारी क्षेत्र के जरिये बेहतर और परंपरागत बीजों के उत्पादन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शाह ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। बीबीएसएसएल को भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लि. (इफको), कृषक भारती कोऑपरेटिव लि. (कृभको) भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) ने संयुक्त रूप से प्रवर्तित किया है। इस कार्यक्रम में शाह ने बीबीएसएसएल का प्रतीक चिह्न (लोगो), वेबसाइट और विवरण पुस्तिका जारी की। उन्होंने बीबीएसएसएल के सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र भी वितरित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बीबीएसएसएल ने अभी छोटी शुरुआत की है, लेकिन यह सहकारी समिति देश के बीज उत्पादन में बड़ा योगदान देगी। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में यह सहकारी समिति देश में बीज संरक्षण, संवर्द्धन और बीज क्षेत्र के शोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इंद्र सेना रेड्डी नल्लू ने त्रिपुरा के राज्यपाल के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। इंद्र सेना रेड्डी नल्लू ने बृहस्पतिवार को त्रिपुरा के 20वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। यहां राजभवन में आयोजित समारोह में त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह ने उन्हें शपथ दिलाई। राज्यपाल के शपथ ग्रहण समोराह में मुख्यमंत्री माणिक साहा, उनके मत्रिमंडलीय सहयोगी और मुख्य सचिव जे.के सिन्हा भी मौजूद थे।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''त्रिपुरा के राज्यपाल के रूप में जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को धन्यवाद देता हूं। मैं त्रिपुरा के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दूंगा। मैं राज्य में पारदर्शिता, सशक्तिकरण और जवाबदेही लाना चाहता हूं और मुख्यमंत्री माणिक साहा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के साथ सहयोग करूंगा।''

तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और अविभाजित आंध्र प्रदेश के तीन बार के विधायक रहे नल्लू ने सत्यदेव एन आर्य की जगह ली है।

न्यायामूर्ति सब्यसाची दत्ता पुरकायस्थ और न्यायमूर्ति विश्वजीत पालित ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश सहित उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या अब पांच हो गई है।

भारत की वायु रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने पर ध्यान दें : राजनाथ ने शीर्ष वायुसेना कमांडरों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायु सेना की अभियानगत तैयारियां बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सेना के शीर्ष कमांडरों से कहा कि वे तेजी से बदलती वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति की समीक्षा करें और भारत के संदर्भ में उसका आकलन करें।

सिंह ने वायुसेना कमांडरों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बल के शीर्ष अधिकारियों से देश की वायु रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने और ड्रोन के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा कि हवाई युद्ध के क्षेत्र में नए चलन सामने आ रहे हैं। समझा जाता है कि कमांडर हमास-इजराइल संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध में विभिन्न हवाई प्रणालियों के उपयोग का व्यापक विश्लेषण कर रहे हैं।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी और अन्य कमांडर चीन और पाकिस्तान से लगी सीमा पर सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा कर रहे हैं, विशेष रूप से लद्दाख सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास के क्षेत्रों में चीन की वायु सेना द्वारा सैन्य बुनियादी ढांचे में तेजी से किये गये विस्तार की। सिंह ने यहां सम्मेलन में कहा, ''वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के कारण नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। हमें उनसे निपटने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।'' सिंह ने अपने संबोधन में अभियानगत तैयारियों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और तीनों सेवाओं द्वारा अभियानों की मिलकर योजना बनाने तथा उनके कार्यान्वयन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने वायुसेना के कमांडरों से आग्रह किया कि वे तेजी से बदलती हुई वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति पर गौर करें और भारतीय संदर्भ में उनका मूल्यांकन करें। उन्होंने यह भी बताया कि हवाई युद्ध के क्षेत्र में नए रुझान सामने आए हैं और रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए उनका विश्लेषण करने और उनसे सीखने की जरूरत है।

राहत शिविरों में रह रहे 15,641 विद्यार्थियों का पुनः स्कूलों में दाखिला कराया गया : मणिपुर के मंत्री

इंफाल/भाषा। मणिपुर के शिक्षा मंत्री टी. बसंत कुमार सिंह ने कहा कि 347 राहत शिविरों में 15,915 विद्यार्थी रह रहे हैं जिनमें से 15,641 विद्यार्थियों का नजदीकी स्कूलों में फिर से दाखिला करा दिया गया है। सिंह ने कहा कि 3 मई को जब राज्य में हिंसा भड़की थी तब स्कूल गर्मियों की छुट्टियों के कारण बंद थे तथा कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति के कारण छुट्टियों को बढ़ा दिया गया था। पहली से आठवी कक्षा के स्कूल पांच जुलाई को खुल गए थे जबकि उच्चतर कक्षाओं के लिए विद्यालय 10 अगस्त से खुले। मंत्री ने कहा कि 23 अक्टूबर तक स्कूलों में उपस्थिति 77 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा, कुल 26 स्कूलों को अभी नहीं खोला गया है, क्योंकि उनके भवनों का इस्तेमाल राहत शिविरों या केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों को ठहराने के लिए किया जा रहा है।

सिंह ने कहा, आसपास के स्कूलों में विद्यार्थियों का दाखिला कराया गया है और इसके लिए कोई शुल्क नहीं वसूला गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं ताकि विद्यार्थियों का निशुल्क दाखिला और उनके लिए पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक, स्टेशनरी सामान एवं वर्दी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

गंदा खेल खेल रही है भाजपा: ईडी के छापे पर ममता बनर्जी ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को एक गंदा राजनीतिक खेल करार दिया।

घुटने की चोट के चलते लगभग एक महीने से स्वास्थ्य लाभ ले रहीं ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि (मध्यकालीन शासक) मोहम्मद बिन तुगलक की तरह, भाजपा कई गलत निर्णय लेकर देश के इतिहास को बदलने का प्रयास कर रही है जिनमें नोटबंदी और जीएसटी लागू करना शामिल हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख बनर्जी ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों में 'इंडिया' की जगह 'भारत' नाम का इस्तेमाल करने के राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के प्रस्ताव को लेकर भी निशाना साधा। कालीघाट मंदिर के पास अपने आवास पर जल्दबाजी में आहूत एक संवाददाता सम्मेलन में बनर्जी ने कहा, ''भाजपा कहती है कि वह 'सबका साथ सबका विकास' चाहती है, लेकिन वास्तव में इसका मतलब 'सबका साथ सबका सत्यनाश' है।'' ईडी के अधिकारियों ने राशन वितरण के करोड़ों रुपये के कथित घोटाले के संबंध में जारी जांच के सिलसिले में प. बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक व अन्य के परिसरों पर छापेमारी शुरू की। ईडी ने इसके साथ ही कथित परीक्षा पेपर लीक मामले में धनशोधन जांच के तहत जयपुर और सीकर में राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के परिसरों पर भी छापेमारी की।

कांग्रेस कार्यालय पर लगे बैनर में राहुल गांधी को 2024 का प्रधानमंत्री बताया गया, सपा ने किया पलटवार

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के एक कार्यकर्ता द्वारा पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को देश का 'भावी प्रधानमंत्री' बताने वाला बैनर लगाए जाने के बाद लखनऊ में एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने भी पार्टी दफ्तर के सामने ऐसी ही होर्डिंग लगा दी है।

इसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को 'वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री' और 2027 में उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को 'राज्य का मुख्यमंत्री' बनाने का आह्वान किया गया है। पिछले सोमवार को सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव को देश का 'भावी प्रधानमंत्री' बताने वाला एक बड़ा बैनर पार्टी कार्यालय के बाहर दिखाई दिया था जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई थी। सत्तारूढ़ भाजपा ने इसे यादव के सहयोगियों के ''मुंगेरी लाल के हसीन सपने'' और 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' ('इंडिया' गठबंधन) के अन्य सदस्यों पर दबाव बनाने का प्रयास बताया।

भारत ने एशियाई पैरा खेलों में रचा इतिहास, रिकॉर्ड 80 पदक तक पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने गुरुवार को यहां इतिहास रचते हुए एशियाई पैरा खेलों में सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड बनाते हुए अपने कुल पदक की संख्या को 80 तक पहुंचाया जिसमें 18 स्वर्ण भी शामिल हैं। भारत ने इंडोनेशिया में 2018 में 72 पदक जीतने के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने अब तक 18 स्वर्ण, 23 रजत और 39 कांस्य सहित कुल 80 पदक जीते हैं। खेलों में अब दो दिन बाकी हैं और भारत हांगझोउ खेलों में 100 पदक जीतने के अपने लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है। भारत ने जकार्ता में पिछले पैरा एशियाई खेलों में 15 स्वर्ण, 24 रजत और 33 कांस्य पदक सहित 72 पदक जीते थे।

गुरुवार को पुरुष एफ46 गोला फेंक स्पर्धा में सचिन सर्जेराव ने 16.03 मीटर के खेलों के रिकॉर्ड थ्रो के साथ भारत को दिन का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। रोहित कुमार ने 14.56 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। पैरा निशानेबाज सिद्धार्थ बाबू ने आर6 मिश्रित 50 मीटर राइफल प्रोन एसएच1 स्पर्धा में 247.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। शीतल देवी और राकेश कुमार की तीरंदाजी की कंपाउंड मिश्रित टीम ने चीन के लिन युएशान और ऐइ शिनलियांग को फाइनल में 51-149 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आदिल मोहम्मद नजीर अंसारी और नवीन दलाल की तीरंदाजी पुरुष युगल जोड़ी ने डब्ल्यूवन स्पर्धा में कजाखस्तान की जोड़ीह को 125-120 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

सिमरन और भाग्यश्री माधवराव जाधव ने महिला टी12 100 मीटर और महिला एफ34 गोला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीते। सिमरन ने 26.12 सेकेंड का समय लिया जबकि भाग्यश्री ने 7.54 मीटर की दूरी तय की।

नारायण ठाकुर ने पुरुष टी35 100 मीटर में 14.37 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता जबकि श्रेयांश त्रिवेदी (12.24 सेकेंड) को भी पुरुष टी37 100 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक मिला। पैरा बैडमिंटन में सुकांत इंदूकांत कदम (पुरुष एकल एसएल4), सिवन नित्या सुमथी (महिला एकल एसएच6), मनीषा रामदास (महिला एकल एसयू5), मनदीप कौर और मनीषा (महिला युगल एसएल3-एसयू5), कृष्णा नागर और सिवराजन एस (पुरुष युगल एसएच6) तथा प्रमोद भगत और सुकांत (पुरुष युगल एसएल3-एसएल4) ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले गंवाने के बाद कांस्य पदक जीते।

सपा नेता आजम खां से मिलने सीतापुर जेल पहुंचे उप्र कांग्रेस अध्यक्ष, नहीं हो सकी मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीतापुर/लखनऊ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय बृहस्पतिवार को जेल में बंद समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खां से मिलने के लिए सीतापुर पहुंचे, मगर मुलाकात नहीं हो सकी।

कांग्रेस की सीतापुर जिला इकाई के अध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सीतापुर जेल में बंद सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां से मिलने पहुंचे मगर मुलाकात नहीं हो सकी। राय ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाते हुए कहा, 'जेल प्रशासन राज्य सरकार के दबाव में हमारी मुलाकात नहीं करा रहा है। हम आजम खां जी से मिलकर उनका हाल और दु:ख दर्द साझा करना चाहते हैं। सरकार को इतना डर क्यों है, आखिर ऐसी कौन सी सच्चाई है जिसे सरकार और प्रशासन छिपा रहा है।' उन्होंने कहा, 'हम आजम खां जी के लिए फल की टोकरी लेकर आए थे। प्रशासन ने ले ली है, मगर पता नहीं हमारे प्यार के फल प्रशासन आजम खां जी तक भेजवाएगा या नहीं।'

इस सवाल पर कि जेल प्रशासन ने दावा किया है कि खुद आजम खां ने उनसे मिलने से मना किया है, राय ने कहा, 'वह प्रमाण दें कि उन्होंने (खां) इस बारे में लिखकर दिया है। वह बंदी हैं, उनसे जैसा चाहें बोलवा सकते हैं।' उन्होंने कहा कि जिस तरह से आजम खां और उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है, वह गलत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुश्किल वक्त में खां के साथ खड़ी है। खां के साथ अपने रिश्तों के बारे में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राय ने कहा कि वह जिस भी काम के लिए खां के पास गये, उन्होंने कभी इनकार नहीं किया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राय के आजम खां से मुलाकात के लिए सीतापुर जेल जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, 'जब आजम खां साहब को फंसाया जा रहा था तब कांग्रेस के नेता कहां थे। कांग्रेस के नेता भी उन्हें फंसाने में लगे थे।' जेल अधीक्षक सुरेश सिंह ने कहा कि जेल नियमावली के अनुसार एक कैदी 15 दिनों में दो बार आगंतुकों से मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यह इस पर निर्भर करता है कि कैदी उस व्यक्ति से मिलना चाहता है या नहीं। उन्होंने कहा बुधवार को आजम खां के बेटे अदीब ने उनसे मुलाकात की थी।

सुविचार

गुस्से के वक्त थोड़ा रुक जाने से और गलती के वक्त थोड़ा झुक जाने से, जिंदगी आसान हो जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सांस्कृतिक चेतना व गौरव

राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की ओर से सभी स्कूली कक्षाओं में 'इंडिया' की जगह 'भारत' शब्द के इस्तेमाल की सिफारिश स्वागत-योग्य है। हर राष्ट्र को अधिकार है कि वह अपने गौरव को तलाशे और उसे जिए। यूं तो हमारे देश के कई नाम प्रचलन में हैं / रहे हैं – भरतखंड, मेलुहा, अजनाभवर्ष, आर्यावर्त, जंबूद्वीप, हिंदुस्तान, इंडिया ... लेकिन 'भारत' ही वह नाम है, जिसमें सर्वाधिक अपनत्व है और यह हमारे राष्ट्रीय गौरव को पूर्णत: अभिव्यक्त करता है। इसका यह अर्थ कदापि नहीं कि अन्य नाम कमतर हैं। इन दिनों 'इंडिया' बनाम 'भारत' को लेकर 'बुद्धिजीवियों' के बीच जो 'खींचतान' चल रही है, वह ग़ैर-ज़रूरी है। 'इंडिया' नाम अंग्रेज़ों के आगमन के बाद प्रचलित हुआ था। अन्य नामों के साथ देशवासियों ने इसे भी खुले हृदय से स्वीकारा। महान क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों की अंग्रेज़ी में लिखीं चिट्ठियों में 'इंडिया' नाम मिलता है। आज उच्चतम न्यायालय, तीनों सेनाओं, रिजर्व बैंक, करेंसी नोटों, प्रशासनिक सेवाओं, रेलवे ... सबके नामों में 'इंडिया' है। अगर सरकारी वेबसाइटों को देखें तो उनके आखिर में 'डॉट इन' मिलता है, जो 'इंडिया' को प्रदर्शित करता है। खेल जगत में भी टीम 'इंडिया' का बोलबाला है। दुनिया में लोग हमारे देश को 'इंडिया' नाम से ही ज्यादा जानते हैं। अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं की उड़ानों में यही नाम प्रचलित है। इसलिए यह कहना तर्कसंगत नहीं है कि 'इंडिया' नाम को रातोंरात हटा दिया जाएगा। न तो ऐसा संभव है और न ऐसा करने की ज़रूरत है। हां, 'इंडिया' हमारे देश का एक नाम है। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता।

जब प्रश्न हमारी सांस्कृतिक चेतना का हो, राष्ट्र-जागरण का हो, ज्ञान के भारतीयकरण का हो तो यह सब 'भारत' से ही संभव है। इसके लिए 'भारत' नाम के प्रचलन को बढ़ावा देना चाहिए। यह कार्य धीरे-धीरे होना चाहिए। आज जो बच्चे अपनी स्कूली किताबों में 'भारत' पढ़ेंगे, वे भविष्य में 'भारत' लिखेंगे और बोलेंगे। इससे 'इंडिया' नाम के साथ टकराव कहां सिद्ध हुआ? हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 'भारत' नाम 'इंडिया' से कहीं ज्यादा पुराना है। इसमें भी विशेष बात यह कि 'भारत' नाम 'भारतवासियों' ने दिया, इसे अपनाया और जिया। यह नाम अंग्रेज़ों के आने से पहले भी सदियों-सदियों से प्रचलित था। 'इंडिया' नाम का ऐसा कोई प्राचीन इतिहास नहीं है। यह हमें ब्रिटिश उपनिवेश काल में मिला था, जो बाद में तेजी से प्रचलित हुआ। अगर आज हमारा देश आत्म-गौरव की जड़ों को ढूंढ़ने, उन्हें सींचने के लिए 'भारत' नाम को बढ़ावा दे रहा है तो इसमें कुछ भी अनुचित नहीं है। बल्कि यह काम तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था। हमें शिक्षा का भारतीयकरण भी करना होगा। उन नायकों/ नायिकाओं, बलिदानियों को सम्मान देना होगा, जिनकी इतिहास के लेखकों ने 'किसी कारणवश' उपेक्षा की थी। हमें युवाओं में इस बात की जागृति पैदा करनी होगी कि 'भारत' न तो वर्ष 1947 में जन्मा था और न इसका इतिहास सिर्फ अंग्रेजों व मुगलों तक सीमित है। भारत युगों-युगों से है। प्राय: यह भ्रम फैलाया जाता है कि अंग्रेज, मुगल और अन्य आक्रांता यहां सुधार करने तथा कला-संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आए थे। ये जिन देशों से आए थे, उनकी स्थापत्य कला ही इस बात की पोल खोल देती है। भारत में प्राचीन काल में चट्टानों को काटकर जिस तरह सुंदर प्रतिमाओं, मंदिरों, जलाशयों आदि का निर्माण किया गया, उन देशों में वैसा उत्कृष्ट उदाहरण नहीं मिलता। उन्होंने अपने शासन को मजबूत बनाने के लिए कुछ ऐसे कदम ज़रूर उठाए, जिन्हें इतिहासकार 'सुधार' बताते हैं, लेकिन उसके पीछे उन (शासकों) का उद्देश्य अपनी गद्दी को सुरक्षित करना ही था। उस काल खंड में हमने जो वैभव खोया, उसकी पुन: स्थापना के लिए बहुत प्रयास करने होंगे। 'भारत' इसी का 'जयघोष' है।

ट्वीटर टॉक

देश में हालात चिंताजनक हैं और जांच एजेंसियों के जरिए आतंक मचाया जा रहा है। गहलोत ने यहां पत्रकारों से कहा, जो हालात बना रखे हैं उससे घबराने वाले नहीं हैं.. इन लोगों को गलतफहमी है। अभी तो हम पांच और गारंटी देने जा रहे हैं।

–अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

घमण्ड

एक राज्य के राजा ने अपने बढ़ते उम्र को देखकर, यह फैसला किया की वह राज-पाठ से सन्यास ले लेगा। परन्तु उसका कोई पुत्र नहीं था जिसे वह राज्य सौप कर जिम्मेदारी से मुक्त होता। राजा की एक पुत्री थी जिसकी विवाह की योजना भी राजा को बनानी थी। इसलिए उसने मंत्रियों को बुलवाया और कहा की कल प्रातः जो भी व्यक्ति सबसे पहले इस नगर में प्रवेश करेगा उसे यहाँ का राजा नियुक्त किया जाएगा, और मेरी पुत्री का विवाह भी उसी के साथ कर दिया जायेगा। फीर अगले दिन राज्य के सैनिकों ने फटेहाल कपडे पहने एक युवक को ले आये और उसका राज्य अभिषेक किया गया। राजा अपनी पुत्री का विवाह उस युवक के साथ करके, जिम्मेदारियों को सौप कर स्वयं वन प्रस्थान कर गए। धीरे-धीरे समय बीतता गया और उस युवक ने राज्य की बागडोर संभाल ली और एक अच्छे राजा की तरह राज्य की सेवा में लग गया। उस महल में एक छोटी सी कोठरी थी, जिसकी चाबी राजा हमेशा अपने कमर में लटकाये रहता था। सप्ताह में एक बार वह उस कोठरी में जाता आधा एक घंटा अंदर रहता और बाहर निकल कर बड़ा सा ताला उस कोठरी में लगा देता था, और अपने अन्य कार्यों में लग जाता। इस तरह राजा के बार-बार उस कमरे में जाने से सेनापति को अचम्भा होता कि राज्य का सारा खजाना, सारे रत्न, मणि, हीरे, जवाहरात तो खजांची के पास है। सेना की शस्त्रा गार की चाबी मेरे पास है और अन्य बहुमूल्य कागजातों की चाबी मंत्री के पास है। फ़िर इस छोटे से कोठरी में एसा क्या है, जो राजा यहां हर सप्ताह अंदर जाता है। और थोड़ी देर बाद बाहर निकल आता है। सेनापति से रहा नहीं गया उसने हिम्मत करके राजा से पूछा की राजन, यदि आप क्षमा करें तो यह बताइये कि उस कमरे में एसी कौन सी वस्तु है, जिसकी सुरक्षा की आपको इतनी फ़िक्र है। राजा गुस्से से बोले सेनापति, यह तुम्हारे पूछने का विषय नहीं है, यह प्रश्न दोबारा कभी मत करना। अब तो सेनापति का सक और भी बढ़ गया, धीरे-धीरे मंत्री और सभासदों ने भी राजा से पूछने का प्रयाश किया परन्तु राजा ने किसी को भी उस कमरे का रहस्य नहीं बताया। बात महारानी तक पहुंच गयी और आप तो जानते है की स्त्री हट के आगे किसी की भी नहीं चलती, रानी ने खाना-पीना त्याग दिया और उस कोठरी की सच्चाई जानने की जिद करने लगी। आख़िरकार विवश होकर राजा सेनापति व अन्य सभासदों को लेकर कोठरी के पास गया और दरवाजा खोला, जब कमरे का दरवाजा खुला तो अंदर कुछ भी नहीं था सिवाय एक फटे हुए कपडे के जो दीवाल की खुटी पे लटका था। मंत्री ने पूछा की महाराज यहा तो कुछ भी नहीं है।

सामयिक

क्या भारत में भी गाजा पट्टी जैसे हालात बनाने की कोशिश ?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

समूची दुनिया मजहबी कट्टरता, अमानवीय अत्याचार एवं उन्मादी आतंकवाद के चलते विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। हमास के आतंकवादियों ने किस तरह की हैवानियत की थी, छोटे छोटे बच्चों एवं महिलाओं के साथ घर में घुसकर हिंसा, अनाचार किया, गोली मारी, जिंदा जला दिया। पकड़े गये सैनिकों को बारूद में लपेट कर जीवित जला देना, अपने ही हिमायती लोगों को अपने लिए मानव ढाल बनने के लिए मजबूर करना, उन्हें युद्ध क्षेत्र में रोकना, जिससे अधिक से अधिक लोगों की जान जा सके यह किसी युद्ध की स्थिति नहीं है, यह इस्लामी कट्टरवादी सोच है। यह सारी मानवता को चुनौती है, विश्वशांति को खतरा है, उसके लिए अस्तित्व रक्षा का प्रश्न है। अब सवाल ये है कि गाजा के आम लोगों का इसमें क्या कसूर? क्या हमास की दरिंदगी का बदला गाजा के आम लोगों के खून से चुकाया जाएगा? आखिर कब तक निर्दोष, मासूम एवं आमजन उन्माद एवं आतंक की भेंट चढ़ते रहेंगे? इस्लामी कट्टरता एवं उन्माद के काले दंश केवल गाजापट्टी में ही नहीं, भारत में भी कहर बरपाते रहे हैं, लम्बे समय से जम्मू-कश्मीर हो या, हाल ही में मणिपुर-मेवात में हुई हिंसा, उन्माद एवं वहशियाना हरकतें चिन्ता का सबब बनती रही है।

इस्लामी आतंकवाद खतरनाक है, मानवता पर कुठाराघात है। इस तरह के आतंक से दुनिया को डराना एवं भयभीत करना मुख्य लक्ष्य है। हमास के आतंकवादियों ने जब इजरायल के मासूम नागरिकों पर बेरहमी से हमला किया तो वो हथियारों के साथ-साथ कैमरों से भी लैस थे, अपनी वहशियाना हरकतों को कैमरे में कैद कर रहे थे। आज जब इसके सबूत सामने आए तो साफ हो गया कि इरादा सिर्फ मारकाट मचाना नहीं था, इरादा सिर्फ इजरायल को नुकसान पहुंचाने का भी नहीं था, इरादा तो ये था कि ये हैवानियत दुनिया को दिखाई जाए, दुनिया को इस्लाम एवं उसकी आतंकी सोच के सामने झूकने को विवश करना इरादा था, इरादा इजरायल के आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाना भी था।

इजरायल के कड़े रुख को देखते हुए अब हमारे देश में भी फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम नेताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। ये वे ही लोग एवं संगठन हैं जो भारत में होने वाली आतंकवादी घटनाओं, उन्मादी सोच एवं हिंसा एवं पाकिस्तानी हरकतों का समर्थन करने से बाज नहीं आते। हमास के दहशतगर्दों ने महिलाओं के कपड़े उतारकर उन पर जुल्म करके, उनकी नुमाइश करते वक्त कैमरों के सामने अल्लाहु अकबर के नारे लगाए। गौर करने की बात ये भी है कि सऊदी अरब और यूनिइटेड अरब अमीरत के मुल्कों में कोई विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर नहीं उतरा लेकिन हमारे देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जिनके बारे में कुछ लोग कह रहे हैं-बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना। असदुद्दीन ओवैसी खुलकर इजरायल का विरोध कर रहे हैं। इजरायल का समर्थन करने के भारत सरकार के फैसले को गलत बता रहे हैं।

पिछले दिनों मेवात में बरपी इस्लामिक कट्टरता में भी गाजापट्टी जैसे ही दृश्य देखने को मिले। जिहादियों ने हिन्दुओं पर हमला करने की पहले से पूरी तैयारी कर रखी थी। यहां तक कि उन्होंने मन्दिर में फंसे हिन्दू महिलाओं, बच्चों एवं निर्दोषों को निकालने के लिये गुरुग्राम से आने वाले पुलिसकर्मियों पर भी हमले किये। पुलिस थाने को भी जला दिया गया, ताकि पुलिसकर्मी रक्षा एवं बचाव कार्य न कर सके। उस समय मेवात मानो मिनी पाकिस्तान बन गया था। मेवात में अल्पसंख्यक हिन्दुओं का कब्रिस्तान बनाने का एक षडयंत्र एवं साजिश थी। मेवात के सभी सैकड़ों गांव हिन्दू-विहीन हो चुके हैं। मेवात के हालात आज के गाजा पट्टी जैसे ही बने हुए थे। भारत में ऐसे अनेक गाजापट्टी हैं, जहां इस्लामिक उन्माद चाहे जब फट सकता है। पूरे देश में इस्लामिक कट्टरता एवं जिहादी सोच के चलते मानवीय मूल्यों एवं साम्प्रदायिक सौहार्द का ह्रास हुआ है। हिंसा, आतंक, उन्माद पनपे हैं। इस्लामिक कट्टरता एवं उन्माद से जुड़ी समस्याओं ने नये सन्दर्भों में पंख फैलाये हैं। मानवीय संबंधों के बीच एकता, अखण्डता, सहयोगिता, सह-अस्तित्व, प्रेम, आपसी सौहार्द, करूणा, अहिंसा एवं उदारता की पहचान घटी है।

कहना गलत न होगा कि हमास द्वारा इजरायल के निर्दोषों का नरसंहार भारत के कथित धर्मनिरपेक्ष तत्वों को दिखाई नहीं दिया, वे तथा सत्ता विरोधी गठबंधन से जुड़े दल मुस्लिम वोटों की संकीर्ण राजनीति के चलते आतंकियों के विरुद्ध एक भी शब्द बोलने की हिम्मत नहीं जुटा सके, आतंक के विरोध में बोलना उनकी मुस्लिम तुष्टिकरण नीति के खिलाफ जो ठहरा। विश्व भर में मानवाधिकारों की बात करने वाले भी आतंकी हमलों का विरोध न करके चुप्पी साथ गए। यही नहीं, आतंकियों के समर्थन में भारत भर में सत्ता के विरोध का वातावरण बनाया गया। अब मानवीय दृष्टिकोण से जब गाजा के सामान्य निर्दोष नागरिकों के लिए भारत ने राहत सामग्री भेजी है, तब हमास के समर्थन में जुलूस निकालने और तकरीर करने वाले तत्वों ने भारतीय सत्ता की तनिक भी सराहना नहीं की। भारत ने विश्वस्तर पर पीड़ित मानवता की सहायता करने में कभी कसर बाकी नहीं छोड़ी, फिर भी खास धर्म के अनुयायियों द्वारा भारत का विरोध करना यही सिद्ध करता है कि भले ही सबका साथ सबका विकास की नीति का अनुपालन करते हुए सत्ता भेदभाव न करती हो, फिर भी कुछ तत्व ऐसे हैं जिनके लिए धर्म के नाम पर आतंकियों का समर्थन सर्वोपरि है, राष्ट्र दोयम दर्जे पर ही है। यह चिंताजनक स्थिति है, जिस पर गंभीरता से चिंतन किया जाना नितांत आवश्यक है।

जब आतंकवादियों पर कार्रवाई होगी, तो मानवाधिकारों का मामला बन जाएगा, और जब आतंकवादी निरीह नागरिकों की हत्याएं-बलात्कार और बाकी जघन्यता करेंगे, तो वही रूदाली गिरोह या तो दूसरी ओर देखने लगेगा, या महीन ढंग से काते गये शब्दों से उसके लिए ढाल पेश करने की कोशिश करेगा। यह ढाल शाब्दिक होती है, आभासी होती है। भौतिक ढाल वे मनुष्य होते हैं, जो उनके नियंत्रण में होते हैं। लगता है ऐसे में फिलिस्तीनियों को सावधान रहना होगा, क्योंकि मानवाधिकारवादी रूदाली के तीसरे चरण के लिए फिर मानवों की कुर्बानी की आवश्यकता पड़ सकती है।

जाहिर है, यह कुर्बानी के मानव वे फिलिस्तीनी ही हो सकते हैं, जो या तो आतंकवादियों के हथियारों के वश में हैं या आतंकवादियों के दिखाए सपनों के वश में हैं। भारत में भी अक्सर ऐसा होता रहा है। सभ्यता संचार माध्यमों का निर्माण करती है, ताकि लोगों तक सूचनाएं पहुंचाई जा सकें, पाशविकता उनका इस्तेमाल झूठ, नफरत, द्वेष एवं उन्माद फैलाने के लिए करती हैं, ताकि लोगों को निशाना बनाया जा सके। सभ्यता मानवीयता को पालती-पोसती है, पाशविकता उन मनुष्यों को मानव दीवार में इस्तेमाल करती है। जिनमें कट्टरता है, उन्माद है, जिन्होंने हाथों में बम एवं हथियार उठा लिये हैं, वह शांति एवं अमन का कोई तर्क नहीं सुनेगा एवं समझेगा। वे यह भी समझने को तैयार नहीं होंगे कि निर्दोष मृतकों की सूची लम्बी करने के परिणाम में घृणा की विरासत बनती है। उन्माद, जिहादी घृणा, नफरत, द्वेष और खून की विरासत कभी किसी को कुछ नहीं देती, किसी का भला नहीं करती।

मुद्दा

त्योहारी सीजन में मिलावटियों की पौ बारह

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

त्योहारी सीजन में मिलावटी खाद्य पदार्थों का खतरा बढ़ जाता है। मिलावट का खेल वैसे तो पूरे साल चलता है, लेकिन त्योहारों में माँग बढ़ने से मिलावटखोरी और बढ़ जाती है। देश में हर चीज की कीमतें बढ़ चुकी हैं। खाने पीने की चीजों सहित मिठाई बनाने के लिए प्रयोग होने वाली सामग्री, जैसे दूध, घी, मावा, चीनी, मैदा सहित सभी चीजों के दाम बढ़े हैं। इससे मिठाई बनाने का खर्च बढ़ गया है है। देश में त्योंहारी सीज़न शुरू हो चुका है। नवम्बर महीने की शुरूआत करवा चौथ से होगी जो एक नवंबर को है। इसके बाद दीपावली, छठ पूजा, देवप्रबोधिनी एकादशी और बैकुंठ चतुर्दशी आदि पर्व मनाए जाएंगे। दीपावली का त्योहार एक सप्ताह तक चलता है। सप्ताह के दौरान धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गोवर्धन पूजा अन्नकूट और भाईदूज एक के बाद एक आते है। इस अवसर पर गरीब और अमीर सभी वर्ग के लोग अपने सामर्थ्य के अनुरूप घर की साफ सफाई, नए कपड़े, सोने चांदी के सामान के साथ मिठाइयां बनाने और खरीदने में व्यस्त हो जाते है। इस दौरान घर घर में मीठे पकवान बनते है। होटलों पर मिठाइयां सज्ज जाती है। त्योहारी सीजन शुरू होते ही मिलावटिये भी सक्रीय होकर आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते है। त्योहार आये और मिलावटिये सक्रीय न हो ऐसा हो नहीं सकता। अब तो मिलावट और त्योहार का लगता है चोली दामन का साथ हो गया है।

देश भर में मिलावट को लेकर आमजन अभी भी भयभीत है और उसे विश्वास नहीं है की वह जो खा रहा है वह शुद्ध है। खाद्य नियामक एफएसएसएआई की एक ताजा रिपोर्ट का गहनता से विश्लेशण करें तो पाएंगे कि आज भी मिलावट को लेकर लोगों में भारी असमंजस की स्थिति है जिसके कारण देशभर में बड़े स्तर पर मिलावटखोरी की धारणा बनने से लोगों का विश्वास घटा है। आबोहवा और पानी के बाद अब खाद्य पदार्थों के सैंपल भी मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों की प्रयोगशाला में जांच के बाद यह पुष्टि की गई है।

आज मिलावट का कहर सबसे ज्यादा हमारी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर ही पड़ रहा है । संपूर्ण देश में मिलावटी खाद्य-पदार्थों की भरमार हो गई है। आजकल नकली दूध, नकली घी, नकली तेल, नकली चायपत्ती आदि सब कुछ धड़ल्ले से बिक रहा है। सच तो यह है अधिक मुनाफा कमाने के लालच में नामी कंपनियों से लेकर खोमचेवालों तक ने उपभोक्ताओं के हितों को ताख पर रख दिया है। अगर कोई इन्हें खाकर बीमार पड़ जाता है तो हालत और भी खराब है, क्योंकि जीवनरक्षक दवाइयाँ भी नकली ही बिक रही हैं। खाने के सामान में मिलावट एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। हमारे दैनिक प्रयोग में आने वाली वस्तुओं का आजकल शुद्ध और मिलावट रहित मिलना मुश्किल हो गया है। मिलावट का कहर सबसे ज्यादा हमारी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर ही पड़ रहा है। आज समाज में हर तरफ मिलावट ही मिलावट देखने को मिल रही है। पानी से सोने तक मिलावट के बाजार ने हमारी बुनियाद को हिला कर रख दिया है।

सामान्य तौर पर एक परिवार अपनी आमदनी का लगभग 60 फीसदी भाग खाद्य पदार्थों पर खर्च करता है। खाद्य अपमिश्रण से अंधापन, लकवा तथा टयूमर जैसी खतरनाक बीमारियाँ हो सकती हैं। सामान्यत रोजमर्रा जिन्दगी में उपभोग करने वाले खाद्य पदार्थों जैसे दूध, छाछ , शहद, हल्दी, मिर्च, पाउडर, धनिया, घीं, खाद्य तेल, चाय-कॉफी, मसाले, मावा , आटा आदि में मिलावट की सम्भावना अधिक है।

चिंतन

लूट खसोट का केंद्र बनते निजी अस्पताल

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

हमारे यहां सारे निजी अस्पतालों में सरकारी आदेशों की अनदेखी करना और मनमानी रकम वसूल करना एक आम सी बात है। शीर्ष सरकारी अफसरों और निजी अस्पतालों के मालिकों की सांठगांठ से सारे कायदे-कानून ताक पर रख दिए जाते है और जनता को भ्रमित करने के लिए नेताओं द्वारा प्राइवेट अस्पतालों की लूट खसोट का रोना शुरू कर दिया जाता है जबकि पक्ष-विपक्ष के नेताओं को अंदर का सारा खेल पता होता है। आरोप-प्रत्यारोप से असल मुद्दे को भटकाने की सस्ती राजनीति का ही परिणाम है जो आज निजी अस्पताल लूट खसोट का केंद्र है। सरकार अपनी चिकित्सा सेवाओं की बेहतरी के लिए हर बजट में करोड़ों रुपयों आवंटित करती है, फिर भी प्राइवेट अस्पतालों के आगे सरकारी अस्पताल उन्नीस ही दिखाई पड़ते है। अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता अमरीका के कैनेथ एरो ने 1963 में ही चेतावनी दे दी थी कि स्वास्थ्य सेवा को बाजार के हवाले कर देना आम लोगों के लिए घातक साबित होगा। इस चेतावनी का दुनियाभर में जो भी असर हुआ हो, लेकिन हमारे देश में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र उद्योग में तब्दील हो गया। यह क्या और कैसे-कैसे गुल खिला रहा है, इससे जुड़े समाचार आए दिन सामने आ रहे हैं।

निजी अस्पतालों में इलाज के नाम पर मरीजों से तगड़ी फीस वसूली जाती है और मिल-बांटकर खाने के इस खेल में कई लोग शामिल होने से इस मनमानी पर रोक नहीं लग पाती है। बेचारा मरीज मजबूर है, क्योंकि उसे लगता है कि निजी अस्पतालों में ही सही इलाज होता है। निजी अस्पताल प्राइवेट कारपोरेट कंपनियों की तरह चलाए जा रहे हैं। समाज की सेवा करने के बजाय इनका मकसद सिर्फ मुनाफा कमाना है। निजी अस्पताल लाभ को महत्व देते हैं। आम तौर पर इनके मालिकों का प्रभावशाली नेताओं से सीधा संबंध होता है। ऐसे में ये बिना किसी डर के मनमाने तरीके से अस्पताल चलाते हैं। एक ओर सरकारी अस्पतालों की खस्ताहाल व्यवस्थाओं की तस्वीरें आती रहती है, वहीं दूसरी ओर निजी अस्पतालों के तथाकथित सर्वसुविधा युक्त व्यवस्थाओं के नाम पर लूट खसोट की कहानी भी रोज उजागर होती रहती है। निजी अस्पतालों में बेहतर इलाज के नाम पर मरीजों से वसूली आम है। निजी अस्पताल सरकारी दांवपेच से बचना जानते हैं। समाज सेवा व सीएसआर के नाम पर दी जाने वाली राशि से ये अपनी छवि धूमिल होने से बचा लेते है। निजी अस्पतालों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगने का प्रमुख कारण सरकारी कारिंदों की मिलीभगत का होना है । रक्षक ही जब भक्षक बन जाते हैं तो सभी जनहित की योजनाओं का धरातल पर उतरना मुश्किल हो जाता है। चिरंजीवी योजना बेहतर योजना है किंतु निजी अस्पतालों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो यह भी कारगर नहीं हो पाएगी। निर्दोष जनता को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है।

जिस प्रकार डॉक्टर यूनियन या कर्मचारी यूनियन होती है, उसी प्रकार पेशेंट यूनियन दबाव समूह के रूप में बनाई जाए। इस यूनियन में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो। इसके अलावा निजी अस्पतालों के खिलाफ अव्यवस्था व लापरवाही मिलने पर त्वरित कार्रवाई की कोशिश की जाए। लापरवाह डॉक्टर तथा स्टाफ के लाइसेंस जब्त होने चाहिए। उनके नाम सार्वजनिक किए जाने चाहिए, ताकि दूसरे भी सीख लें। निजी अस्पतालों के डॉक्टरों की फीस भी निर्धारित की जानी चाहिए, वे कोई दूसरे ग्रह से नहीं आए हैं। हालत यह है कि आजकल कुछ डॉक्टर तो तत्काल टिकट की तरह तत्काल मरीजों को देखने की तीन गुनी फीस लेते हैं। निजी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण भोजन के नाम पर मरीजों को बेवक़ूफ़ बनाया जाता है। जूस के नाम पर प्रिजर्वेटिव्स जूस और नाश्ते के नाम पर फास्ट फूड देते हैं। प्रशिक्षित स्टाफ भी नहीं रहता इन अस्पतालों में, ना ही उपकरणों की सुध लेने वाला कोई है। सब कुछ भगवान भरोसे चल रहा है। इन अस्पतालों में शिकायत पेटिका होनी चाहिए। साथ ही इनको आरटीआइ के दायरे में लाया जाना चाहिए। निजी अस्पतालों के लिए लोकायुक्त जैसे पद सृजित किए जा सकते हैं, जो शिकायत मिलने पर कार्रवाई करें। सरकारों को निजी अस्पतालों को अपने अधीन कर लेना चाहिए। सरकार को एक विधेयक यह भी लाना चाहिए कि किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में मरीज यदि मर जाता है तो उसका सारा मेडिकल बिल माफ कर दिया जाएगा। इससे निजी अस्पताल इलाज में लापरवाही नहीं करेंगे।

हमारे देश के करीबन पचहत्तर प्रतिशत अस्पताल निजी क्षेत्र में हैं। मात्र पच्चीस प्रतिशत अस्पताल सरकार द्वारा संचालित किए जाते हैं, जिनमें भी अधिकतर अस्पतालों में डॉक्टर, नर्स एवं गुणवत्ता वाले चिकित्सीय संसाधनों का अभाव रहता है। ऐसे में सुविधा एवं संसाधनों से परिपूर्ण निजी अस्पतालों की मनमानी स्वाभाविक है। इनकी मनमानी भरे रवैये पर नकेल कसने के लिए सरकार को निजी अस्पतालों में हो रही सारी जांचों, उपलब्ध दवाइयों, सर्जरी, परामर्श तथा हो रहे हर प्रकार के इलाज के लिए दरें तय कर देनी चाहिए। निजी अस्पतालों में उपलब्ध आईसीयू बेड, वेंटिलेटर इत्यादी सुविधाओं की यथास्थिति ऑनलाइन होनी चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन करने पर निजी अस्पताल पर कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ-साथ सरकार को सरकारी अस्पतालों की संख्या, वहां पर डॉक्टरों, नर्सों एवं आधुनिक संसाधनों में वृद्धि पर ध्यान देना चाहिए। सरकारी अस्पतालों के साथ निजी अस्पतालों की भी मरीजों के इलाज में अहम भूमिका होती है। माना की निजी अस्पताल शीघ्र व अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ मरीजों का इलाज करने में सक्षम होते हैं, किंतु मरीजों को राहत देने के स्थान पर मनमाना शुल्क वसूल करना इंसानियत और चिकित्सा कर्म के विरुद्ध है। सरकार को ऐसे अस्पतालों की शिकायत मिलने पर सख्त से सख्त कार्रवाई करते हुए जनहित में चिकित्सा मान्यता रद्द कर देनी चाहिए। साथ ही कठोर से कठोर सजा भी दी जानी चाहिए । यह भी ध्यान रखें कि सरकारी कारिंदे निजी अस्पतालों को बिना वजह परेशान न करें।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एससीओ देश एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करें, अंतरराष्ट्रीय कानून का सख्ती से पालन करें : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिश्केक (किर्गिस्तान)/ भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन पर कटाक्ष करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का सख्ती से पालन करते हुए, एक-दूसरे की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करके और आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहित करते हुए क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

जयशंकर ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब वह किर्गिस्तान के बिश्केक में एससीओ के शासनाध्यक्षों की परिषद के 22वें सत्र को संबोधित कर रहे थे।

विदेश मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, ''एससीओ को अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का सख्ती से पालन करते हुए एक-दूसरे की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करके, आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहित करके क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में मध्य एशियाई राष्ट्रों के हितों को केंद्र में रखा जाना महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बीजिंग, पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है।

भारत ने पाकिस्तान में इस परियोजना का विरोध किया है, क्योंकि यह गलियारा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एससीओ क्षेत्र के लोगों के साथ गहरे सभ्यतागत संबंध साझा करता है। अभी एससीओ देशों में भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिज़ गणराज्य, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

जयशंकर ने कहा, ''क्षेत्र में वस्तुओं के आयात-निर्यात, विचारों के निरंतर प्रवाह और लोगों की सतत आवाजाही ने हमारे रीति-रिवाजों, परंपराओं, भाषा और व्यंजनों पर अमिट छाप छोड़ी है। इन ऐतिहासिक रिश्तों को अब अधिक आर्थिक सहयोग के लिए एक खाका तैयार करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''क्षेत्र के भीतर व्यापार में सुधार के लिए हमें मजबूत कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे की जरूरत है। ऐसी पहलों में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान (अवश्य) किया जाना चाहिए।''

विदेश मंत्री ने चीन पर एक बार फिर निशाना साधते हुए कहा, ''ग्लोबल साउथ को अपारदर्शी पहलों से उत्पन्न होने वाले अव्यवहार्य ऋण के बोझ तले नहीं दबाया जाना चाहिए।ग्लोबल साउथ को अक्सर उन अल्प विकसित या अविकसित अथवा विकासशील देशों के रूप में संदर्भित किया जाता है, जो मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में स्थित हैं।

एक साथ चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग को लगभग 30 लाख ईवीएम की जरूरत होगी

नई दिल्ली/भाषा

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए निर्वाचन आयोग को लगभग 30 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की जरूरत होगी। साथ ही सुगमतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए तैयारियों में करीब डेढ़ साल का समय लगेगा। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक ईवीएम में एक कंट्रोल यूनिट, कम से कम एक बैलेट यूनिट और एक वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) यूनिट होती है।

सूत्रों के अनुसार, आयोग को एक साथ चुनाव कराने के लिए लगभग 30 लाख कंट्रोल यूनिट, लगभग 43 लाख बैलेट यूनिट और लगभग 32 लाख वीवीपीएटी की आवश्यकता होगी। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए लगभग 35 लाख वोटिंग यूनिट की कमी है।एक साथ चुनाव कराने पर विचार-विमर्श तेज होने के बीच निर्वाचन आयोग ने कुछ महीने पहले विधि आयोग को सूचित किया था कि उसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को रखने के लिए पर्याप्त भंडारण सुविधाओं की भी आवश्यकता होगी। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने पर एक रिपोर्ट पर काम कर रहे विधि आयोग ने निर्वाचन आयोग के साथ उसकी जरूरतों और चुनौतियों पर बातचीत की थी। बातचीत से अवगत सूत्रों ने कहा कि बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि इस तरह की कवायद कब होगी। जब कुछ राज्यों में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते हैं, तो मतदाता दो अलग-अलग ईवीएम में अपना वोट डालते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में 12.50 लाख मतदान केंद्र थे।

आयोग को अब 12.50 लाख मतदान केंद्रों के लिए लगभग 15 लाख कंट्रोल यूनिट, 15 लाख वीवीपीएटी यूनिट और 18 लाख बैलेट यूनिट की आवश्यकता है। इस बारे में हालांकि कोई आधिकारिक अनुमान उपलब्ध नहीं है कि इन वोटिंग इकाइयों की लागत कितनी है, लेकिन पिछली खरीद दरों के हिसाब से भी देखा जाए तो एक करोड़ यूनिट के लिए कुल लागत 15,000 करोड़ रुपये से अधिक होगी, जिसमें वीवीपीएटी इकाइयों के लिए 6,500 करोड़ रुपये से अधिक शामिल हैं।

रामलला के दर्शन के बाद कंगना रनौत ने कहा, मंदिर के लिए शताब्दियों से हिंदुओं ने किया संघर्ष

अयोध्या/एजेन्सी

बॉलीवुड की प्रसिद्ध अदाकारा कंगना रनौत ने कहा कि अयोध्या में रामलला का मंदिर बन गया। यह हिंदुओं का सदियों पुराना संघर्ष है और हमारी पीढ़ी इस दिन को देख पा रही है। मैंने अयोध्या पर एक स्क्रिप्ट लिखी है और बनाई भी है। कंगना गुरुवार को अयोध्या पहुंची, जहां उन्होंने रामलला के दर्शन और पूजन किए। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के कामकाज को भी देखा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आखिरकार रामलला का मंदिर बन गया।

इसके लिए शताब्दियों से हिंदुओं ने संघर्ष किया। कंगना ने कहा कि मंदिर के लिए 600 वर्षों का लंबा संघर्ष रहा है। अगर यह आज संभव हुआ है तो मोदी और योगी सरकार की वजह से। जैसे ईसाईयों का सबसे बड़ा धर्मस्थल वेटिकन सिटी है, वैसे ही राम मंदिर हिंदुओं के लिए है। यह देश और सनातन धर्म के लिए विश्व के सामने सबसे बड़ा सिंबल होगा।

कंगना ने कहा कि यह पूरे विश्व में हमारे सनातन संस्कृति का प्रतीक बनेगा। यह दिन 22 जनवरी 2024 को आ रहा है जब प्रधानमंत्री जी यहां आएंगे। मेरी फिल्म 'तेजस' में भी राम मंदिर की भूमिका है, जो भारतीय वायुसेना पर आधारित है।

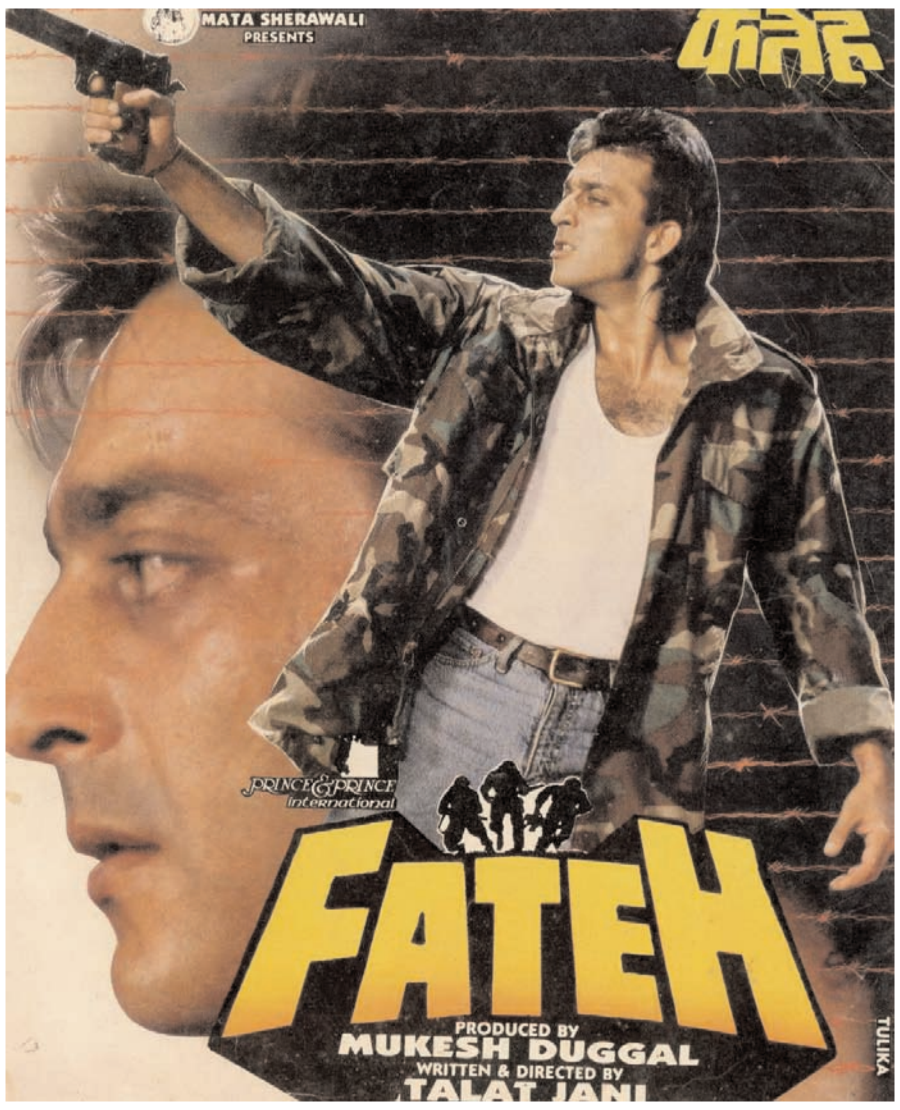

सोनू सूद ने पूरी की फिल्म 'फतेह' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

सोनू सूद ने अपनी आगामी फिल्म 'फतेह' की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने इसकी घोषणा करते हुए शूटिंग के पर्दे के पीछे की कुछ तस्वीरें साझा कीं। सोनू ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं और अपनी सह-कलाकार जैकलीन फर्नांडीज के प्रति आभार व्यक्त किया। तस्वीर में दोनों कलाकरों के बीच बेहतर केमिस्ट्री दिख रही है जिसने दर्शकों में इस परियोजना के लिए उत्सुकता पैदा कर दी है। तस्वीरें फिल्म के निर्माण की एक रोमांचक झलक प्रदान करती हैं। पोस्ट को कैप्शन दिया गया था, फतेह एक जादुई यात्रा की शुरुआत है। मैं वादा करता हूं कि यह आपकी सबसे यादगार यात्रा होगी। जैकी, मैं वास्तव में आपकी विनम्रता, कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना करता हूं...धन्यवाद अपने होने के लिए। जैसा कि मैंने वादा किया था यह आपका सबसे अच्छा होने वाला है।''

यह फिल्म अपनी एक्शन से भरपूर कहानी और हॉलीवुड से प्रेरित स्टंट के साथ एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जो उत्साह बढ़ाती है। 'फतेह' में सोनू मुख्य भूमिका में हैं और यह पंजाब के पवित्र शहर अमृतसर में साइबर अपराध पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन वैभव मिश्रा ने किया है।

चीन की 'बेल्ट एंड रोड' पहल से मुकाबले के लिए अमेरिका जी7 देशों के साथ काम कर रहा है : बाइडन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उनका देश यूरोप के साथ सऊदी अरब को जोड़ने वाली रेलसड़क परियोजना सहित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के नेटवर्क के जरिए चीन की 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) से मुकाबले के लिए जी7 सदस्य देशों के साथ काम कर रहा है।

बाइडन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि हमास द्वारा इजराइल पर आतंकवादी हमला करने का एक कारण हाल में नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान महत्वाकांक्षी भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे पर की गई हालिया घोषणा थी, जो पूरे क्षेत्र को रेलमार्ग के नेटवर्क से जोड़ने वाला है। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात से आश्वस्त हूं कि हमास के हमले के कारणों में से एक यह भी था। मेरे पास इसका कोई सबूत नहीं है, लेकिन मेरी अंतरात्मा मुझसे यही कहती है कि इजराइल के लिए क्षेत्रीय एकीकरण और समग्र रूप से क्षेत्रीय एकीकरण की दिशा में हमारे काम के कारण हमास ने यह हमला किया। हम उस काम को नहीं छोड़ सकते।''

एक हफ्ते से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब बाइडन ने हमास द्वारा आतंकवादी हमले के संभावित कारण के रूप में भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) का उल्लेख किया है।

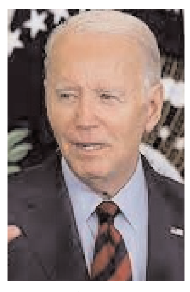

सितंबर में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बाइडन के नेतृत्व में दुनिया के अहम नेताओं ने महत्वाकांक्षी भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे की शुरुआत की घोषणा की थी। बाइडन ने अमेरिका की यात्रा पर पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ 'रोज गार्डन' में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम उससे (बेल्ट एंड रोड पहल से) मुकाबला करने जा रहे हैं और हम इसे एक अलग तरीके से कर रहे हैं। 'बेल्ट एंड रोड' पहल कर्ज में डूब गई है और जिन्होंने इस पर हस्ताक्षर किए हैं यह उन अधिकांश लोगों (राष्ट्रों) के लिए गले का फंदा बन गई है।'' उन्होंने कहा कि वे उन देशों के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए जी7 भागीदारों के साथ काम कर रहे हैं। ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका शामिल हैं।

बाइडन ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम चाहते हैं कि उदाहरण के लिए जी20 में हम रियाद से पश्चिम एशिया, सऊदी अरब, इजराइल, यूनान तक एक रेलमार्ग बनाने के प्रस्ताव पर कार्य करने में सक्षम हों। हम न सिर्फ रेलमार्ग बल्कि यूरोप तक भूमध्य सागर के पार पाइपलाइन बिछाने में भी सक्षम हों।''

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि चीन के साथ 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धा' की उनकी पिछली टिप्पणी संघर्ष के मायने में नहीं थी। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''मैंने इस बारे में बात की कि हम अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार आर्थिक, राजनीतिक और अन्य तरीकों से हर तरह से चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कैसे करेंगे, लेकिन मैं संघर्ष की बात नहीं कर रहा हूं।''अल्बानीज अगले महीने चीन जाने वाले हैं। बाइडन से पूछा गया कि 'ऑस्ट्रेलिया के साथ चीन की पुनः भागीदारी से आप क्या समझते हैं?' और 'क्या ऑस्ट्रेलिया बीजिंग पर भरोसा कर सकता है और क्या ऑस्ट्रेलिया चीन के साथ व्यापार कर सकता है?'

इस पर उन्होंने कहा, ''एक मुहावरा है, 'विश्वास करें लेकिन सत्यापित भी करें'। देखिए, चीन इस समय अपनी आंतरिक और बाहरी कठिनाइयों से जूझ रहा है। चीन की आर्थिक वृद्धि पहले की तुलना में स्थिर है। चीन उसी तरह की गतिविधियों में शामिल है जैसा कि रूस और कई अन्य कर रहे है यानी वे दूसरे देशों को डराने-धमकाने और उनसे निपटने में शामिल हैं।'

' उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते उन्होंने अमेरिका की जरूरतों को पूरा करने के लिए पनडुब्बी उत्पादन और रखरखाव को बढ़ावा देने और ऑकस का समर्थन करने के वास्ते पूरक निधि में 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर जारी करने का अनुरोध किया था। ऑकस संधि ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक त्रिपक्षीय गठबंधन है।

फिल्म 'स्टोलन' की क्लिप रिलीज

मुंबई/वार्ता

अभिनेता अभिषेक बनर्जी की फिल्म स्टोलन की क्लिप रिलीज कर दी गयी है। जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में फिल्म स्टोलन दिखायी जाने वाली है। यह फेस्टिवल 29 अक्टूबर, 31 अक्टूबर और 02 नवंबर को निर्धारित है। स्टोलन के निर्माताओं ने मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल की स्क्रीनिंग से पहले इस फिल्म की क्लिप का अनावरण किया है।यह थ्रिलर फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है।फिल्म के मुख्य अभिनेता अभिषेक बनर्जी ने रिलीज की गई क्लिप और फिल्म के बारे में अपने विचार साझा किये। उन्होने कहा,यह मेरे लिए सबसे दर्दनाक दृश्य था, शारीरिक रूप से नहीं बल्कि भावनात्मक रूप से।फिल्मांकन के बाद जो सवाल मेरे मन में रहा वह था। इंसान इंसानों के प्रति इतना क्रूर कैसे हो सकता है? क्या हम एक ही टीम से नहीं हैं? स्टोलेन ने मेरे सामने ऐसे बहुत से प्रश्न रखे और उनके

उत्तर भी दिए। निर्माताओं ने सच्ची घटनाओं पर आधारित एक विचारोत्तेजक कहानी के साथ एक मनोरंजक सिनेमाई यात्रा बनाई है। यह एक कच्ची, गहन और प्रामाणिक फिल्म है जो आपको बांधे रखती है। हमें उम्मीद है कि फिल्म आपके दिलों की धड़कनें बढ़ा देगी। स्टोलन करण तेजपाल द्वारा निर्देशित और जंगल बुक स्टूडियो के गौरव ढींगरा द्वारा निर्मित है। इस फिल्म में शुभम और मिया मेल्ज़र भी मुख्य भूमिका में हैं।

भगवान श्रीराम की भूमिका निभाना सम्मान की बात होगी : रणबीर कपूर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर का कहना है कि सिल्वर स्क्रीन पर भगवान श्रीराम की भूमिका निभाना उनके लिए सम्मान की बात होगी। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली फिल्म रामायण को लेकर चर्चा है। कहा जा रहा है कि रणबीर कपूर इस फिल्म में भगवान श्रीराम की भूमिका में होंगे। रणबीर कपूर ने इस फिल्म को लेकर कई अहम जानकारियां साझा की हैं। उन्होंने कहा कि रामायण एक बड़ा प्रोजेक्ट हैं। उस पर बहुत सारा काम करना होगा। अब तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। मैं चाहता हूं कि जल्द सब कुछ तय हो जाए। फिलहाल मैं कई और कहानियां भी सुन रहा हूं।यदि सब सही रहा, तो रामायण मेरी अगली फिल्म हो सकती है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहता हूं।

'अपूर्वा' का ट्रेलर हुआ रिलीज!

मुंबई/एजेन्सी

दिल्ली के लाल किले में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित लव कुश रामलीला के दौरान, भारी भीड़ के बीच अपूर्वा का वायरल फर्स्ट लुक लांच हुआ था। ऐसा लांच किसी भी भारतीय फिल्म के लिए पहला और अनोखा अनुभव था. इसके बाद, स्टार स्टूडियो और सिने1 की पेशकश अपूर्वा का पावर-पैक ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया और फिल्म 15 नवंबर को डिज़्नी+हॉटस्टार पर रिलीज़ की जाएगी. अपूर्वा को डायरेक्ट किया है निखिल नागेश भट ने और इसमें तारा सुतारिया, अभिषेक बनर्जी, धैर्य करवा और राजपाल यादव जैसे शानदार कलाकार हैं. फिल्म, भारत की सबसे खतरनाक जगहों में से एक, चंबल में सेट है, और यह बुराई पर अच्छाई की जीत की कहानी को परदे पर उतारती हैं। फिल्म तारा के उस शक्तिशाली परिवर्तन की कहानी है, जो ज़िंदा रहने और जीने के लिए अपने अंदर की ताकत का इस्तेमाल करती है. जब जिन्दगी का एक सामान्य क्षण अचानक बहुत खतरनाक स्थिति में बदल जाता है तब अपूर्वा ज़िंदा रहने के लिए क्या करेगी, यही इस फिल्म की कहानी है।

निर्देशक निखिल नागेश भट कहते हैं, ''अपूर्वा एक शक्तिशाली कहानी को जीवंत बनाने का शानदार अवसर था। दर्शकों को तारा का नाटकीय रूप से मजबूत परिवर्तन देखने को मिलेगा और पहली बार हम राजपाल यादव को एक घातक भूमिका में देखेंगे. वह इस नए अवतार से फैन्स को आश्चर्यचकित करेंगे। अभिषेक अपने सभी किरदारों को यादगार बना देते हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने अपूर्वा में जो किया है, वह उन्हें और भी आगे ले जाएगा. इस कहानी पर मुराद भाई, स्टार स्टूडियोज़ और डिज़्नी+ हॉटस्टार जैसे क्रिएटिव दिग्गजों के साथ काम करना एक यादगार अनुभव था, जिन्होंने मुझे इस रोमांचक कहानी को उस तरह से बताने के लिए एक शानदार मंच दिया है जिस तरह से मैंने इसकी कल्पना की थी। तारा सुतारिया इस अनूठे प्रोजेक्ट पर कहती हैं, हमारे पहले लुक को मिले प्यार और प्रशंसा से मैं अभिभूत हूं। परफोर्मेंस के मामले में 'अपूर्वा' मेरे लिए अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। इस किरदार की उग्रता और ताकत ने मुझे शुरू से ही आकर्षित किया है। यह वह भूमिका है जिसे मैं अपना करियर शुरू करने के बाद से ही करना चाहती थी। मैं अब इंतज़ार नहीं कर पा रही और जल्दी से इसे 15 नवंबर को डिज्नी+हॉटस्टार पर देखने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ। लिजेंड राजपाल यादव का खतरनाक अवतार दर्शकों को आश्चर्यचकित कर देगा. वे कहते हैं, चाहे आप जीवन के किसी भी चरण में हों, कुछ नया करने और कुछ अलग करने की कोशिश करते रहना हमेशा महत्वपूर्ण होता है। मैं एक ऐसी भूमिका की तलाश में था जो मुझे पहले कभी नहीं मिली हो। कुछ ऐसा जो आज के दर्शकों को चौंका सकता है और अपूर्वा मेरे लिए बिल्कुल सही कहानी थी। यह 15 नवंबर से डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है।

स्क्रीन पर अपने जीवंत अभिनय के लिए जाने जाने वाले, अभिषेक बनर्जी कहते हैं, यह अब तक मेरे द्वारा निभाए गए सबसे डरावने किरदारों में से एक है और हर दृश्य में बुराई और खतरे के लेवल को लाना काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक शानदार टीम के साथ काम करना एक शानदार यात्रा थी. मैं 15 नवंबर से डिज़्नी+हॉटस्टार पर दर्शकों द्वारा अपूर्वा देखने को ले कर बहुत उत्साहित हूं.'' धैर्य करवा कहते हैं, कैरेक्टर की पेचीदगियों की खोज करना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक भी था. यह एक भावनात्मक यात्रा थी और उस सच्चे प्यार का प्रमाण भी था कि आप अपने प्रियजनों की रक्षा के लिए कितनी दूर तक जा सकते हैं. ऐसी शानदार टीम के साथ काम करना मेरे लिए बेहतरीन अनुभवों में से एक रहा है और मैं 15 नवंबर से डिज्नी+हॉटस्टार पर अपूर्वा की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं!' जिसे प्रोड्यूस किया है सिने1 स्टूडियोज और स्टार स्टूडियोज ने. यह निखिल नागेश भट द्वारा लिखित और निर्देशित है और मुराद खेतानी और स्टार स्टूडियोज द्वारा निर्मित है. यह 15 नवंबर से केवल डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

सोनम के बाद प्रीति जिंटा भी हो सकती हैं मुम्बई शिफ्ट

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा के खाते में कई सुपरहिट फिल्में हैं। फैंस उनकी एक्टिंग और खूबसूरती दोनों पर खूब प्यार बरसाते हैं। पिछले कुछ सालों से प्रीति अपनी फैमिली में बिजी हैं। वह विदेश में अपने पति जीन गुडइनफ और दो बच्चों के साथ रहती हैं। इस बीच प्रीति से जुड़ी एक खबर सामने आने के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह शायद मुंबई शिफ्ट होने वाली हैं। अभी तक प्रीति की ओर से इस बारे में कोई बयान सामने नहीं आया है। दरअसल प्रीति ने मुंबई के मशहूर बांद्रा इलाके में एक अपार्टमेंट खरीदा है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक इस फ्लैट या अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 1474 वर्ग फुट है। इसकी कीमत 17.01 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ये घर पाली हिल इलाके में है। इसका कुल एरिया लगभग 1721 वर्गफुट है। ये फिलहाल अंडर कंस्ट्रक्शन है। इस फ्लैट के साथ प्रीति को 2 कार पार्किंग और एकस्ट्रा 90 वर्ग फुट का एरिया मिलने की बात सामने आ रही है।

ये फ्लैट टावर के 11वें फ्लोर पर है। इसके ट्रांजेक्शन के लिए 23

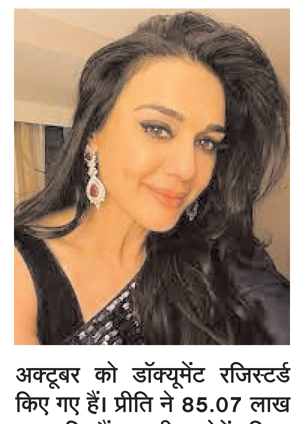

अक्टूबर को डॉक्यूमेंट रजिस्टर्ड किए गए हैं। प्रीति ने 85.07 लाख रुपए की स्टैंप ड्यूटी का पेमेंट किया है। प्रीति की नेटवर्थ की बात करें तो उनकी कुल संपत्ति 15 मिलियन डॉलर यानी 110 करोड़ रुपए बताई जाती है। प्रीति ने साल 2016 में बिजनेसमैन जीन गुडइनफ से शादी रचाई थी। तब से वह अमेरिका के लॉस एंजेलिस में शिफ्ट हो गई थीं। साल 2021 में प्रीति और गुडइनफ ने सरोगेसी के जरिये जुड़वां बच्चों जय और जिया का स्वागत किया। बता दें कि हाल ही में एक और एक्ट्रेस सोनम कपूर भी विदेश से मुंबई में शिफ्ट हो चुकी हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर में पहले बार जीतो बेंगलूरु नार्थ के महिला विंग के जेबीएन रेफरल समूह की स्थापना की गई। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए जीतो अपेक्स के अध्यक्ष अभय श्रीश्रीमाल ने कहा कि व्यवसाय में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी व्यवसाय विकास, विचारों एवं व्यवसायिक उत्पादों में भिन्नता के लिये महत्वपूर्ण हो सकती है।

सम्मान दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को जैन कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप जैन हर्षदर्शी का बेंगलूरु आगमन पर कर्नाटक शाखा द्वारा उनका भावभीना स्वागत अभिनंदन किया गया। हंसराज मुणोत, दिलीप गांधी, सुनील तरुण, विक्रम छाजेड़ एवं राजेंद्र गुलेच्छा ने माला, शाल, मैसूर पेटा पहनाकर जैन कवि हर्षदर्शी का अभिनंदन किया। शाखा अध्यक्ष राजेंद्र गुलेच्छा को राष्ट्रीय समिति में उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने से राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कर्नाटक शाखा अध्यक्ष का पदभार बेंगलूरु के हंसराज मुणोत को सौंपा।

महिलाओं की सोच से व्यवसाय में महत्वपूर्ण बदलाव आते हैं : अभय श्रीश्रीमाल

जीतो में प्रथम बार महिला व्यवसायिक रेफ़रल समूह की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर में पहले बार जीतो बेंगलूरु नार्थ के महिला विंग के जेबीएन रेफरल समूह की स्थापना की गई। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए जीतो अपेक्स के अध्यक्ष अभय श्रीश्रीमाल ने कहा कि व्यवसाय में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी व्यवसाय विकास, विचारों एवं व्यवसायिक उत्पादों में भिन्नता के लिये महत्वपूर्ण हो सकती है। महिलाओं की भागीदारी सामाजिक नेटवर्क एवं समर्थन के विकास को भी प्रोत्साहित करती है जिसका उनके सामाजिक परिवेश पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और महिलाओं की सोच से व्यवसाय में महत्वपूर्ण बदलाव आते है। जेबीएन वी कनेक्ट कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि व्यवसाय में अवसरों की वृद्धि से महिलाओं में अपने स्वास्थ्य तथा विकास के प्रति जागरुकता के बढ़ने के साथ अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमताओं में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि बिना नारी के सशक्तिकरण की बात करना बेमानी है।

जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने स्वागत करते हुए कहा कि केवल महिलाओं की भागीदारी वाले इस जेबीएन रेफ़रल समूह की प्रथम बार स्थापना से जीतो नॉर्थ इतिहास रचने जा रहा है और आने वाले समय में संपूर्ण भारत के जीतो चेप्टर इस कार्य का अनुसरण करेंगे। जीतो अपेक्स वाइस चेयरमैन राजेंद्र छाजेड ने कहा कि जीतो का प्राथमिक उद्धेश्य समुदाय को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक सुदृढ़ करना है। केकेजी ज़ोन अध्यक्ष अशोक सालेचा ने कहा कि जोन के सभी चेप्टर बड़ी उमंग के साथ समाजोत्थान के कार्य कर रहे है। अपेक्स जेबीएन अध्यक्ष राजेश चंदन ने कहा कि व्यवसाय के लिये जीतो जेबीएन अपने आप में एक बहुत बड़ा अवसर है। उन्होंने व्यवसायिक संपर्कों के बारे में कहा कि जितना मिलोगे उतना मिलेगा। जीतो नॉर्थ सचिव व जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफना ने कहा कि महिला रेफरल समूह के स्थापना की नींव जेबीएन के वी-कनेक्ट कार्यक्रम में महिलाओं की उमड़ी भीड़ से ही पड गयी थी। नॉर्थ महिला विंग अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने कार्यक्रम लॉ संचालन करते हुए कहा कि महिला विंग द्वारा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम के अंतर्गत उद्यमी महिलाओं को सकारात्मक सोच के साथ उद्यम की ओर कदम बढ़ाने में पहल करने के ध्येय को लेकर जीतो के इतिहास में आज यह पहला जेबीएन महिला रेफ़रल मीट समाज के लिये प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने जानकारी दी कि जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के नव गठित जेबीएन महिला रेफ़रल समूह की अध्यक्ष सुष्मिता सेठिया, उपाध्यक्ष भाविका कोठारी एवं सचिव तनुजा मेहता को नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में जोन महिला विंग संयोजक यश्मा जैन ने भी संबोधित किया। जेबीएन सह संयोजक मदन मुणोत ने संयुक्त रूप से संचालन किया। इस अवसर पर अपेक्स सीएफ़ई अध्यक्ष कैलाश गुलेच्छा, निदेशक नरेंद्रसिंह सामर, विनोद जैन, मनोज जैन व शैलेश हरण, अपेक्स हेल्थ-न्यूट्रीशियन संयोजक निशा सामर सहित मुख्य व महिला शाखा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पांचवीं वर्षगांठ पर सभी कर्मियों ने ली ट्रैफिक नियमों के पालन की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एसेंशियल लॉजिस्टिक्स के कर्मियों व ड्राइवरों ने कम्पनी की पांचवीं वर्षगांठ व विजयदशमी के मौके पर वाहनों की पूजा कर सभी ट्रैफिक नियमों का पालन करने का शपथ ली। कंपनी के संस्थापक ने वर्षगांठ के मौके पर सभी शाखाओं के प्रतिनिधि से बात कर उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें कर्मचारियों के साथ उचित व्यवहार करने पर जोर दिया। इस मौके पर कंपनी के संस्थापक सुमनकुमार चौधरी ने बताया कि आज से पांच वर्ष पूर्व शहर के नेलमंगला में 800 वर्गफीट के वेयरहाउस से मात्र 8 कर्मचारियों के साथ कम्पनी का शुभारंभ किया था। पांच साल की अल्पअवधि में कम्पनी ने देश के प्रमुख शहर में 40 से ज्यादा शाखाएं खोली हैं और 500 से ज्यादा लोग इस कम्पनी में कार्यरत है। वर्षगांठ के मौके पर भारतवर्ष में सभी शाखाओं के कर्मचारियों ने अपनी-अपनी शाखाओं पर केक काट कर पांचवी वर्षगांठ मनाई।

सिद्धचक्र यंत्र नवपद की उपासना का श्रेष्ठ माध्यम है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने नवपद ओली महापर्व के मौके पर कहा कि दीपावली, रक्षाबंधन, पर्युषण आदि पर्व साल में एक बार आते हैं, लेकिन शाश्वत नवपद ओली साल में दो बार चैत्र मास व आसोज मास में आती है। अरिहंत के बिना जैन जगत संभव ही नहीं है। अरिहंत की वास्तविक भक्ति देखनी है तो उनके प्रति पूर्ण समर्पण जरूरी है। अरिंहत के बिना नवपद के बाकी आठ पद भी संभव नहीं है। अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, दर्शन, ज्ञान, चारित्र और तप की साधना ही नवपद ओली आराधना का सार है। यह आराधना आत्मिक एवं शारीरिक आरोग्य बढ़ाती है, कर्मो की निर्जरा तथा शारीरिक व्याधि को दूर करती है। सिद्धचक्र यंत्र नवपद की उपासना का श्रेष्ठ माध्यम है। इस यंत्र की पूजा से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि इतिहास प्रसिद्ध राजकुमार श्रीपाल एवं मयणासुंदरी ने श्री सिद्धचक्र एवं नवपद की आराधना से जीवन में आने वाली बाधाओं से मुक्ति तथा यश, कीर्ति, प्रतिष्ठा को पाया था।

नवपद की आराधना से रोग, कष्ट मिट जाते हैं। गुरु के वचनों के प्रति सच्ची श्रद्धा हो तो आत्मा का कल्याण होता है। मेघराज भंसाली ने बताया कि गुरुदेव के 108 अभिषेक का लाभ जयंतीलाल मिश्रीमल पटियात परिवार ने लिया। चंपालाल गादिया, प्रदीप वेदमुथा, संगीता पटियात आदि उपस्थित रहे। मांगीलाल वेदमुथा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सम्यक्त्व को प्राप्त करने के लिए ज्ञान का होना जरूरी है : साध्वी प्रतिभाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित महासाध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी ने नवपद आराधना के सप्तम दिवस पर सप्तम पद का वर्णन करते हुए कहा कि तत्वार्थ सूत्र का प्रथम सूत्र है सम्यक दर्शन ज्ञान चरित्रराणी मोक्ष मार्ग: अर्थात सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन सम्यक चारित्र मोक्ष के मार्ग है। सम्यक्त्व को प्राप्त करने के लिए ज्ञान का होना जरूरी है। ज्ञान होगा तभी दर्शन की विशुद्धि होगी। दर्शन यानी श्रद्धा, विश्वास, व्यक्ति की श्रद्धा मजबूत होनी चाहिए। दर्शन आत्मा की प्रकृति है। चरित्र से भ्रष्ट व्यक्ति शुद्ध दर्शन के बल पर एक बार पुनः चरित्र को प्राप्त कर सकता है। दर्शन बिना कभी भी मोक्ष नहीं हो सकता। दर्शन अर्थात देखने का नजरिया व देखने का तरीका। बिना श्रद्धा के बेड़ा पार नहीं होता। श्रद्धा का जीवन में होना जरूरी है। श्रद्धा जीवन रूपी मकान की नींव है। बच्चों को अगर विद्यालय में पढ़ने के लिए भेजते हैं तो अध्यापक पर श्रद्धा होना जरूरी है। बिना श्रद्धा के ज्ञान ठहरता नहीं है। जैसे

दीपक में तेल है बाती है पर जब तक अग्नि प्रज्वलित ना हो तो दीपक का महत्व नहीं है। वैसे ही दर्शन के बिना श्रद्धा का जीवन का महत्व नहीं है । श्रद्धा हमारे जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए। इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने श्रीपाल मैनासुंदरी के चरित्र के माध्यम से नवकार महामंत्र कि महिमा का रोचक ढंग से वर्णन किया। नवकार महामंत्र जाप के लाभार्थी यशवंतराज नवीनकुमार देवड़ा परिवार थे। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

लांच हुआ फ्रीडम रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल का बहुउपयोगी 10 लीटर जार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया लिमिटेड ने गुरुवार को बेंगलूरु बाजार में फ्रीडम रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल के अपने नए बहुउपयोगी 10 लीटर जार को लांच किया। फ्रीडम रिफाइंड तेल पहले विभिन्न क्षमता वाले पाउच, बोतल व जार पहले से ही बाजार में उपलब्ध है। प्रसिद्ध कन्नड़ अभिनेत्री राधिका पंडित ने कम्पनी के सेल्स एंड मार्केटिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पी चंद्रशेखर रेड्डी के साथ इस नए जार को लॉन्च किया। फ्रीडम रिफाइंड ऑयल का नया 10-लीटर का बहुउपयोगी जार विशेष रूप से आधुनिक उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का उपयोग करने की बढ़ती प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जिनका पुन: उपयोग किया जा सकता है। आयल के उपयोग के बाद इस नए बहुउपयोगी जार का उपयोग रसोई के आवश्यक सामानों को संग्रहीत करने के लिए किया जा सकता है। फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल्स के लिए कर्नाटक प्राथमिक राज्य है क्योंकि इस ब्रांड को कर्नाटक में तेजी से स्वीकार किया जा रहा है।

कम्पनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रशेखर रेड्डी ने कहा कि हमारी कम्पनी एक उपभोक्ता-केंद्रित कम्पनी हैं। हमें उम्मीद है कि यह नया सुविधाजनक पुन: प्रयोज्य बहुउपयोगी जार हमारे ग्राहकों को पसंद आएगा और तेल की खपत के बाद भंडारण के लिए इसका उपयोग किया जाएगा। 'फ्रीडम' पैसा वसूल ब्रांड है, जो इनोवेटिव पैकिंग डिजाइन के साथ हमारे उपभोक्ताओं को 'खाने की आजादी, आनंद लेने की आजादी' प्रदान करता है। राधिका पंडित ने भी इस नए रचनात्मक जार के लांच पर खुशी जताई ।

'सम्यक दर्शन की प्राप्ति में ज्ञान निमित्त है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु/दक्षिण भारत । शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि सम्यकदर्शन कभी न कभी प्रगट होता है इसलिए यह सादि है अनादि नहीं है। एक आत्मा की अपेक्षा से सादि है पर सकल आत्माओं की अपेक्षा से अनादि हो जाएगा।

सादि का अर्थ है, उसकी शुरुआत है और जिसका प्रारंभ होता है वो ये सूचना देता है कि इसके पहले वो नहीं था तभी तो प्रारंभ हुआ। सम्यकदर्शन आत्मा कभी न कभी प्राप्त करती है। निमित्त मिलने पर, संयोग मिलने पर उपादान तो स्वयं का है फिर निमित्त अनिवार्य है। बिना निमित्त के सम्यकदर्शन प्राप्त नहीं हो पाता। सम्यक दर्शन की प्राप्ति में ज्ञान निमित्त है। चिंतन-मन न ज्ञान का ही स्वरूप है। श्रद्धा सम्यग्दर्शन का स्वरूप है, इसलिए ज्ञानपद बड़ा महत्वपूर्ण है। सबसे पहले ज्ञान, ज्ञान के बिना कुछ भी नहीं। पहले ज्ञान जरूर है लेकिन वो ज्ञान भी वास्तविक ज्ञान तभी हो सकता है जब सम्यकदर्शन आए। उसके अभाव में वो जो इतन है वो ज्ञान मिथ्या ज्ञान है।

गजराज विदाई दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के राजभवन प्रांगण मे दशहरा जंबो सवारी हेतु आए गजराजो को विधिवत मंत्रों उच्चारण एवं पूजा पाठ के साथ भावभीनी विदाई दी गयी। इस मौक़े पर मैसूरु ज़िलाधिकारी केवी राजेंद्र, मैसूरु पैलेस बोर्ड के निदेशक सुब्रह्मण्यम, पुलिस सह उपायुक्त चंद्रशेखर, विशेष अतिथि के रूप में रोटरी मैसूरु के निदेशक गौतम सालेचा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

'गीत गंगोत्री' धार्मिक पुस्तक का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुसवाणी महिला मंडल द्वारा प्रकाशित धार्मिक गीत पुस्तक 'गीत गंगोत्री भाग 13 पुस्तक का विमोचन श्रीरामपुरम में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रवणपद्मसागरजी के सान्निध्य में हुआ। इस मौके पर मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि एकता में बल है जिसका नमूना यह मंडल है और धर्म के कार्य करते हुए मां सुसवाणी को समर्पित भक्ति गीतों की पुस्तक को विमोचन कर मंडल ने भक्ति की मिसाल पेश की है। इस मौक़े पर मंडल के संस्थापिका अध्यक्ष संगीता सुराना, संरक्षिका दुर्गा सुराना, उपाध्यक्ष हेमलता सुराना, चंचलदेवी सुराना, हेमलता जैन, डॉ नीतू राठोड सहित अनेक महिला सदस्या मौजूद थीं। इस मौके पर शांतिनाथ चातुर्मास समिति के शांतिलाल खिंवेसरा, प्रसन्न चंडालिया, नरेन्द्र आच्छा, सज्जन बलडोटा, चेतनप्रकाश झारमुथा ने महिलाओं को धन्यवाद दिया ।

तेयुप हनुमंतनगर का स्नेह मिलन सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हनुमंतनगर तेरापंथ युवक परिषद का स्नेह मिलन परामर्शक पवन बोथरा के बनशंकरी स्थित भैरव क्षेत्रपाल निवास स्थान पर हुआ जिसमें अभातेयुप के शाखा प्रभारी तेजराज चौपड़ा को उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गई। मंत्री राजीव हीरावत ने संगठन कि महता को हमेशा प्राथमिकता देते हुए आने वाले कार्यों की चर्चा की। इस

अवसर पर अभातेयुप से गौतम खाब्या, परामर्शक धर्मेश कोठारी, विक्रम पुगलिया, उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, सहमंत्री देवेंद्र आँचलिया व सुमित चिंडालिया, संगठन मंत्री दीक्षित सोलंकी आदि उपस्थित थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com